

गौठान से यूसीसी तक सियासी घमासान

मंत्री राजेश अग्रवाल और पूर्व मंत्री अमरजीत में तीखी बहस

छ.ग. फ्रंटलाइन रायपुर। छत्तीसगढ़ में गौठान व्यवस्था से लेकर समान नागरिक संहिता (यूसीसी) तक सियासत गरमा गई है। पूर्व मंत्री अमरजीत भगत के आरोपों पर मंत्री राजेश अग्रवाल ने पलटवार किया है, जिससे सरकार और विपक्ष आमने-सामने आ गए हैं।



कहा कि गौठानों की दुर्दशा के कारण मवेशी सड़कों पर आ गए हैं, जिससे हादसों का खतरा बढ़ रहा है। उन्होंने सरगुजा का उदाहरण देते हुए कहा कि एक पंचायत के लोग मवेशियों को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंच गए, क्योंकि सुनने वाला कोई नहीं है। कांग्रेस सरकार की गोबर खरीदी योजना बंद

नक्सलवाद पर बयानबाजी
भूपेश बघेल के बयान पर मंत्री ने कहा कि डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में नक्सल क्षेत्रों में विकास और सुरक्षा मजबूत हुई। वर्तमान सरकार के गृह विभाग और सुरक्षा बलों ने अभियान तेज किया है और प्रदेश नक्सलवाद के खतमे की ओर बढ़ रहा है।
फर्जी टोल फ्री नंबर से ठगी पर अलर्ट
पर्यटन विभाग के नाम पर फर्जी टोल फ्री नंबर से ठगी पर मंत्री ने कहा कि शिकायत मिलते ही कार्रवाई की गई है। विभाग ने आधिकारिक टोल फ्री नंबर जारी किया है। साइबर सेल को जानकारी दी गई है और ठगों पर कार्रवाई होगी। पर्यटकों से अधिकृत नंबरों का ही उपयोग करने की अपील की गई है।



मॉडिफाई बुलेट के चालक ने मासूम को मारी टक्कर, आरोपी भागा

छ.ग. फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। शहर के गांधी चौक में एक बेलगाम और सौंदर्य मॉडिफाई बुलेट के चालक ने बच्चे को टक्कर मार दी। हादसे में बच्चे का कान कट गया और पैर में गंभीर चोट आई है। घटना के बाद बुलेट वाहन छोड़कर सवार मौके से फरार हो गया। बुलेट के नंबर प्लेट के ऊपर काला स्टीकर चिपका कर नंबर को छिपाया गया है, जिससे संदेह की स्थिति बनी हुई है। बुलेट में तेज आवाज वाला साइलेंसर लगा है। मौके पर मौजूद यातायात पुलिसकर्मियों ने बताया कि उक्त बुलेट सवार यातायात जवानों को कई बार चक्का देकर तेज रफ्तार और पटछे जैसी आवाज निकालते हुए चौक से निकल जाता था। पुलिस कई बार उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन वह तेज गति के कारण हाथ नहीं आता था, वहीं नम्बर प्लेट में स्टीकर लगे रहने के कारण उक्त वाहन का नंबर भी पता नहीं चल पा रहा था। बीते दिवस गांधी चौक की भीड़-भाड़ के बीच एक छोटे बच्चे को चपेट में लेने के बाद वह फरार हो गया। घायल बच्चे को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस की तमाम कार्रवाई के बाद भी मॉडिफाई साइलेंसर लगे बुलेट वाहनों में सवार धड़ले से घूम रहे हैं, ऐसे लोगों पर सख्त कार्रवाई की जरूरत है। ऐसे वाहन आम लोगों के लिए खतरा बनते जा रहे हैं।

समय-सीमा में हो काम, सीएम हेल्पलाइन पर लापरवाही नहीं चलेगी कलेक्टर अजीत वसंत ने अधिकारियों को लगाई फटकार

छ.ग. फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक लेकर विकास योजनाओं और लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा और गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं, लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में अपार आईडी, जाति प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, एनएचएम भर्ती, मुआवजा प्रकरण और नक्शा प्रोजेक्ट की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने एसडीएम अम्बिकापुर को अतिरिक्त धान संग्रहण केंद्रों के लिए भूमि चिन्हांकन के निर्देश दिए।



सीएम हेल्पलाइन पर सख्त निर्देश
सीएम हेल्पलाइन से प्राप्त शिकायतों पर कलेक्टर ने नाराजगी जताते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें। शिकायतों को अनावश्यक रूप से उच्च स्तर पर न भेजें, एल-1 पर ही अधिक से अधिक निराकरण करें ताकि लोगों को शीघ्र राहत मिले। जिन विभागों में शिकायतें अधिक हैं, वहां प्राथमिकता से समीक्षा कर तेजी से निराकरण करें। जनदर्शन, जन चौपाल, पीजी पोर्टल की भी समीक्षा की गई।
डीएमएफ कार्यों और वसूली की समीक्षा
डीएमएफ के स्वीकृत और अपूर्ण निर्माण कार्यों तथा वसूली की स्थिति पर कलेक्टर ने कहा कि लंबित कार्यों को प्राथमिकता से पूरा कराएं और वसूली में तेजी लाएं। इसकी नियमित मॉनिटरिंग की जाए।

दादी प्रकाशमणि की स्मृति में आयोजित रक्तदान शिविर में 60 यूनिट रक्त एकत्रित



छ.ग. फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। ब्रह्माकुमारी संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी प्रकाशमणि की 19वीं पुण्यतिथि, विश्व बंधुत्व दिवस के उपलक्ष्य में भारत-नेपाल में 21 से 25 अगस्त तक चल रहे रक्तदान महाभियान के तहत अम्बिकापुर में भी शिविर आयोजित किया गया। शनिवार 23 अगस्त को नव विश्व भवन, चोपड़ापारा स्थित सेवा केंद्र में सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित शिविर में 80 लोगों ने पंजीयन कराया, जिसमें से 60 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर का उद्घाटन महापौर मंजूषा भगत, डॉ. शैलेंद्र

गुप्ता, डॉ. रोशनी, समाजसेवी अजय तिवारी, मंगल पांडेय, अनिल मिश्रा एवं ब्रह्माकुमारी विद्या दीदी ने दीप प्रज्वलित करके किया। मुख्य अतिथि महापौर ने कहा कि किसी ज़रूरतमंद के जीवनदान में रक्त की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। केंद्र संचालिका विद्या ने कहा कि दादीजी का जीवन विश्व कल्याण का उदाहरण था, उनकी सच्ची श्रद्धांजलि उनके दिखाए मार्ग पर चलना है। शासकीय मेडिकल कॉलेज की डॉ. रोशनी ने रक्तदान के फायदे बताए और कहा कि एक यूनिट से 3 से 4 लोगों की जान बचाई जा सकती है।

111 वीं बार रक्तदान कर बने मिसाल

शिविर में 50 वर्ष से अधिक आयु के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आर्ट ऑफ लिविंग के वरिष्ठ समाजसेवी 63 वर्षीय अजय तिवारी ने इस शिविर में अपने जीवन का 111वां रक्तदान कर सभी के लिए उदाहरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर एसपी अमोलक सिंह छिल्ले, एसडीओपी राकेश बघेल, डॉ. सी.के. मिश्रा, रमेश जायसवाल सहित बड़ी संख्या में ब्रह्माकुमार भाई-बहन उपस्थित थे। मेडिकल कॉलेज की टीम में कांसलर अंजुला मिश्रा, रीता थॉमस, हरिहर सिंह सहित अन्य ने रक्त संग्रहण किया। सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र और ईश्वरीय सौगत दी गई।

नीट पीजी परीक्षा को लेकर अलर्ट
आगामी नीट पीजी परीक्षा के सफल संचालन के लिए सभी नोडल अधिकारियों को गंभीरता से दायित्व निर्वहन के निर्देश दिए। परीक्षा केंद्रों पर निगरानी और परीक्षार्थियों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने को कहा।

सिविल कोर्ट के लंबित मामलों पर जोर
सिविल कोर्ट से संबंधित लंबित प्रकरणों पर कलेक्टर ने कहा कि न्यायालय में प्रस्तुत होने वाले दस्तावेज, जवाब और अभिलेख समय पर तैयार कर उपलब्ध कराएं। नियमित निगरानी कर समय-सीमा में कार्यवाही सुनिश्चित करें।

ग्राम पंचायतों के निर्माण कार्यों की समीक्षा
जनपद पंचायतवार प्रधानमंत्री आवास, जनमन योजना, आंगनबाड़ी भवन, हैंडपंप, बोरवेल, विद्यालय भवन, उप स्वास्थ्य केंद्र और शौचालय निर्माण की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि वीवी-जी राम जी योजना के तहत बालिकाओं के लिए स्कूलों में शौचालय निर्माण के कार्य स्वीकृत कर शीघ्र पूर्ण किए जाएं। बैठक में जिला पंचायत सीईओ रोमा श्रीवास्तव, नगर पुलिस अधीक्षक राहुल बंसल, प्रशिक्षु आईएफएस कुणाल मिश्रा, अपर कलेक्टर राम सिंह ठाकुर, नगर निगम आयुक्त डी.एन. कश्यप सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

खेत में बिछा करंट प्रवाहित तार, स्कूल प्रबंधन ने छात्रों और अभिभावकों को किया सावधान



छ.ग. फ्रंटलाइन उदयपुर। किसानों द्वारा फसलों की सुरक्षा के लिए खेतों के चारों ओर लगाए गए विद्युत प्रवाहित तारों ने स्कूली बच्चों के लिए बड़ा खतरा पैदा कर दिया है। उदयपुर स्थित स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के आसपास खेतों में करंट वाले तार बिछे होने से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। मामले की गंभीरता को देखते हुए विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों और पालकों के लिए सख्त चेतावनी जारी की है। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार, कई छात्र-छात्राएं स्कूल आने-जाने के लिए शॉर्टकट के चक्कर में खेतों के बीच के पगडंडी वाले रास्ते का इस्तेमाल कर रहे हैं, जो सीधे तौर पर मौत को दावत देने जैसा है। बरसात के मौसम में गीली जमीन में करंट का खतरा और भी बढ़ जाता है। इसे देखते हुए स्कूल ने स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि, खेतों के रास्ते से आवागमन पूरी तरह से बंद रखें, सभी विद्यार्थियों को केवल मुख्य मार्ग से ही स्कूल आना-जाना करें। इसके अलावा अभिभावकों से अपने बच्चों को स्वयं मुख्य मार्ग से स्कूल छोड़ने और लुट्टी के बाद वापस ले जाने का आग्रह किया गया है। प्रबंधन ने साफ कहा है कि, निर्देशों की अनदेखी कर यदि कोई छात्र खेतों की ओर से आते-जाते विद्युत तार की चपेट में आता है या दुर्घटनाग्रस्त होता है, तो इसकी समस्त जिम्मेदारी अभिभावकों की होगी। विद्यालय प्रशासन इसमें जवाबदेह नहीं होगा। प्राचार्य ने सभी पालकों से अपील की है, बच्चों की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए वे स्कूल के निर्देशों का कड़ाई से पालन करें।

खेत में घास काटते समय जहरीले सांप ने डसा

चार दिनों तक ज़िंदगी से जंग के बाद वृद्ध महिला की मौत

छ.ग. फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। सूरजपुर जिले के रेवटी चैकी क्षेत्र के धुमाडोंड कटरापारा में खेत में घास काट रही एक बुजुर्ग महिला को जहरीले सांप ने डस लिया। चार दिन तक अस्पताल में चले इलाज के बीच महिला की मौत हो गई। छात्रावास में भृत्य के पद पर पदस्थ मृतिका के पुत्र शिवमंगल ने बताया कि 19 अगस्त को दोपहर करीब 3.30

बजे वह अपने पुराने घर में था, और मां नए घर के पास खेत में घास काट रही थी। तभी अचानक वह चिल्लाते लगी। जब वह दौड़ते मौके पर पहुंचा तो देखा कि उसकी मां के बाएं हाथ की बीच वाली उंगली से खून निकल रहा था। पूछने पर वह बताई कि घास काटते वक्त किसी जहरीले सांप ने काट लिया है। स्वजन तुरंत उसे प्रतापपुर स्वास्थ्य केन्द्र लेकर

गए, यहां से प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने अम्बिकापुर रेफर कर दिया। 20 अगस्त को महिला को होलीक्रॉस अस्पताल अम्बिकापुर में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के बीच 23 अगस्त को शाम 7.34 बजे डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम करके मृतिका के शव का पोस्टमार्टम कराया है।

नजूल भूमि को निजी खाते में दर्ज करने के मामले में सहायक ग्रेड-2 हुए पदावनत

सहायक ग्रेड-3 के पद पर किया गया बहाल

छ.ग. फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। शासकीय नजूल भूमि का नामांतरण नियमों एवं भूमि स्वामी घोषित करने संबंधी प्रावधानों का पालन नहीं करते हुए निजी व्यक्तियों के खाते में दर्ज किए जाने के मामले में जिला कार्यालय अम्बिकापुर की नजूल शाखा में पदस्थ सहायक ग्रेड-2 अजय कुमार तिवारी के विरुद्ध विभागीय जांच में आरोप प्रमाणित पाए गए हैं। मामले में उन्हें मुख्य शास्ति के तहत सहायक ग्रेड-2 से सहायक ग्रेड-3 के पद पर पदावनत करते हुए निलंबन से बहाल किया गया है। अजय कुमार तिवारी पर नजूल शाखा में पदस्थ रहते हुए शासकीय भूमि के संरक्षण संबंधी दायित्वों का समुचित निर्वहन नहीं करने तथा नामांतरण एवं भूमि स्वामी घोषित करने संबंधी नियमों का पालन नहीं करते हुए शासकीय नजूल भूमि को निजी व्यक्तियों के खाते में पट्टे के रूप में दर्ज किए जाने में संलिप्तता का आरोप था। इस संबंध में थाना गांधीनगर में 11 मार्च 2024 को भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 467, 468, 471 एवं

120-बी के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया था। पदीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही, स्वेच्छाचरिता एवं अनुशासनहीनता के कारण उन्हें अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) थरपुर कार्यालय में कार्य करने हेतु आदेशित किया गया था। इसके बाद वे 15 मार्च 2024 से कर्तव्य से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित पाए गए। उक्त कृत्यों के चलते उन्हें 28 मार्च 2024 को निलंबित कर उनका मुख्यालय तहसील कार्यालय उदयपुर निर्धारित किया गया। निलंबन के बाद उन्हें आरोप पत्र जारी कर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। निर्धारित अवधि में जवाब प्रस्तुत नहीं किए जाने पर छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 14 के तहत नियमित विभागीय जांच संस्थित की गई। विभागीय जांच अधिकारी द्वारा जांच पूर्ण कर प्रस्तुत प्रतिवेदन में अजय कुमार तिवारी के विरुद्ध लगाए गए आरोप प्रमाणित पाए गए। जांच प्रतिवेदन पर इनके द्वारा प्रस्तुत

जवाब को भी समाधानकारक नहीं पाया गया। विभागीय जांच में कृत्य प्रमाणित होने तथा कर्तव्य से अनाधिकृत अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के प्रावधानों के उल्लंघन के आधार पर मुख्य शास्ति अधिरोपित की गई। आदेश के अनुसार अजय कुमार तिवारी को सहायक ग्रेड-2 के पद से पदावनत कर सहायक ग्रेड-3 के पद पर किया गया है। उनका वेतनमान 5200-20200, ग्रेड पे 2400, मैट्रिक्स लेवल-6/10 से घटाकर वेतनमान 5200-20200, ग्रेड पे 1900, मैट्रिक्स लेवल-4/01 निर्धारित किया गया है। उन्हें निलंबन से बहाल करते हुए तहसील कार्यालय मैनपाट, जिला सरगुजा में पदस्थ किया गया है। निलंबन अवधि को केवल सेवानिवृत्ति हितलाभ अथवा स्वत्वों के लिए सेवा अवधि माना गया है तथा उक्त अवधि में प्राप्त वेतन को जीवन निर्वाह भत्ते तक सीमित किया गया है। इसके अतिरिक्त निलंबन अवधि के लिए अन्य वेतन अथवा भत्ते देय नहीं होंगे।

बोलरो वाहन की ठोकर से घायल सीआरपीएफ के जवान की मौत

छ.ग. फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। बोलरो वाहन की ठोकर से सीआरपीएफ के जवान की मौत हो गई। जवान एक माह की लुट्टी लेकर घर आया था। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, जशपुर जिले के सत्रा थाना अंतर्गत ग्राम धसमा, चौकी सोनक्यारी निवासी फ्रेंडिक जोन एक्का पिता स्व. बरथोलोमिस एक्का 45 वर्ष, सीआरपीएफ के 133 बटालियन, हेडक्वार्टर रांची के अधीन कार्यरत था। वर्तमान में उनकी पदस्थापना मणिपुर में थी। 23 अगस्त को वह मनोरा से अपने गृहग्राम धसमा स्कूटी वाहन से जाने निकला था। इसी दौरान ग्राम टेम्पू के पास स्कूटी वाहन को सामने से आ रही बोलरो वाहन क्रमांक सीजी 04 एचएम 8746 के चालक ने ठोकर मार दिया, जिसमें उन्हें सिर सहित शरीर के अन्य हिस्से में गंभीर चोट आई थी। बोलरो के चालक ने घायल सीआरपीएफ के जवान को निजी पिकअप वाहन से मनोरा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भिजवाया। यहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने जवान को रेफर कर दिया। इसकी सूचना घायल जवान की शासकीय माध्यमिक शाला कांसबेल में शिक्षिका के पद पर पदस्थ पत्नी सुधा एक्का को मोबाइल फोन पर मिली और एम्बुलेंस से घायल पति को लेकर जिला अस्पताल जशपुर पहुंची। यहां से भी चिकित्सक ने जांच के बाद घायल जवान की स्थिति गंभीर देखते हुए बेहतर उपचार के लिए रिफर कर दिया। स्वजन संजीवनी 108 एम्बुलेंस से घायल को मेडिकल कॉलेज संबद्ध अस्पताल अम्बिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान 23 अगस्त को जवान की मौत हो गई। स्थानीय पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है।

के आर टैक्निकल कॉलेज

(Regular | Private | Distance)

ADMISSION OPEN 2026-27

COURSES OFFERED

UG COURSES	PG COURSES	PROFESSIONAL COURSES
• BCA • BBA • BCOM • BSC BIO	• BSC MATHS • BSC CS • BSC BOTANY • BSC ZOOLOGY • BSC CHEMISTRY	• MSC CS • MSC IT • MSC PHYSICS • MCOM • MSW • MA HINDI
• DCA • PGDCA • PGDBM • PGDOR • BLBI		

SCHOLARSHIP FACILITIES

- विद्यासागर छात्रवृत्ति (सभी वर्गों के लिए)
- रीस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (SC, ST एवं OBC विद्यार्थियों हेतु)
- सीमित कोर्स में फ्री कोथिंग सुविधा उपलब्ध

COLLEGE CAMPUS: अम्बिकापुर तेरहे स्टेशन के पास, कानी घाट मंदिर के आगे, संजय नगर, छत्तीसगढ़

CITY OFFICE: कुष्मा आभा भवन, रिंग रोड, नमरा कला, अम्बिकापुर, छत्तीसगढ़

9926513170, 9826612781

9826183771

(बालाजी क्लीनिक)

मद्रासी दवाखाना

Reg. No. Cg03026 ISO 9001: 2015 CERTIFIED

बादी एवं सूखी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।

समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा

बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

डॉ. के.एम. राव

एम.एस.(आयु) शल्य भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद

छात्रावास की छात्राओं ने किया सड़क जाम, अधीक्षिका को हटाने की मांग, वीडियो वायरल होने पर हरकत में आया प्रशासन

अस्वच्छ व्यवसाय से जुड़े परिवारों के बच्चों को छात्रवृत्ति, 31 अगस्त तक बनवाएं प्रमाण पत्र

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। विकासखंड के ग्राम भुनेश्वरपुर स्थित प्री-मैट्रिक बालिका छात्रावास की छात्राओं ने सोमवार को भोजन, पेयजल, पंखे और बिजली की अव्यवस्था तथा छात्रावास अधीक्षिका अनूपा लकड़ा को हटाने की मांग को लेकर रामानुजनगर-सूरजपुर मुख्य मार्ग जाम कर दिया। छात्राओं के सड़क पर बैठने का वीडियो वायरल होने के बाद प्रशासन हरकत में आया। जानकारी के अनुसार छात्राएं सुबह स्कूल जाने के लिए तैयार होकर सीधे मुख्य मार्ग पर पहुंच गईं और धरने पर बैठ गईं। छात्राओं ने आरोप लगाया कि छात्रावास में मेनू के अनुसार भोजन नहीं दिया



जाता, सब्जी बहुत कम दी जाती है, पीने के पानी और बिजली-पंखे की समुचित व्यवस्था नहीं है। सड़क जाम की सूचना पर तहसीलदार एम.एच. राठिया, थानेदार विराट वीसी और असेस्टेंट डायरेक्टर ट्राइबल विजेंद्र एक्का मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने छात्राओं को समझाकर चक्काजाम खुलवाया

और उन्हें छात्रावास लेकर गए। वहां समस्याएं सुनने के बाद दो दिवस के भीतर अधीक्षिका को हटाने सहित सभी मांगें पूरी करने के आश्वासन पर छात्राओं ने आंदोलन समाप्त किया। अटैचमेंट पर जमी हैं अधीक्षिका, लड़का देखता है व्यवस्था। भुनेश्वरपुर प्री-मैट्रिक छात्रावास अधीक्षिका अनूपा

लकड़ा का मूल पदस्थापना माध्यमिक शाला उमझर, विकासखंड ओड़गी में है। वह 70 किमी दूर रामानुजनगर के इस हॉस्टल में अटैचमेंट पर ड्यूटी कर रही हैं। आरोप है कि अधीक्षिका स्वयं यदा-कदा ही हॉस्टल आती हैं और उनका लड़का छात्रावास की व्यवस्था देखता है, जो छात्राओं की सुरक्षा की दृष्टि से बेहद संवेदनशील

है। संचालनालय रायपुर और जिला शिक्षा अधिकारी सूरजपुर द्वारा अटैचमेंट वाले शिक्षकों को मूल पदस्थापना पर लौटने के निर्देश के बावजूद कई अधीक्षक-अधीक्षिका हटने को तैयार नहीं हैं।

परशुरामपुर मामले में भी कार्रवाई नहीं

इसी महीने 7 अगस्त को कलेक्टर के निर्देश पर तहसीलदार ने प्री-मैट्रिक छात्रावास परशुरामपुर की जांच की थी, जिसमें व्यापक गड़बड़ी उजागर हुई थी। जांच रिपोर्ट कलेक्टर को सौंपी गई, लेकिन सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग द्वारा अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। वहां की अधीक्षिका भी मा.शा. सागरपुर में पदस्थ हैं और अटैचमेंट पर लंबे समय से जमी हुई हैं।

के माध्यम से प्रमाण पत्र को लाइव किया गया है। विद्यार्थी अपने नजदीकी लोक सेवा केंद्र (अनुविभागीय अधिकारी / तहसीलदार कार्यालय) में 10 रुपये के स्टाम्प पर शपथ पत्र के साथ निर्धारित प्रारूप में सरपंच/पापंद और पटवारी के हस्ताक्षर कराकर आवेदन कर सकते हैं। यह प्रक्रिया जाति/निवास/आय प्रमाण पत्र की तरह ही ऑनलाइन होगी।

अंतर्राष्ट्रीय खेल दिवस पर अम्बिकापुर में होगा सद्भावना हॉकी मैच, 27 अगस्त तक पंजीयन

अम्बिकापुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा 29 अगस्त को हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती को अंतर्राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाएगा। सहायक संचालक, खेल एवं युवा कल्याण ने बताया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी जिला मुख्यालय अम्बिकापुर में खेल दिवस का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन 29 अगस्त को सुबह 10 बजे शासकीय पीजी कॉलेज परिसर स्थित हॉकी ग्राउंड में होगा। इस अवसर पर खेल भावना और आपसी सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए महिला और पुरुष वर्ग के खिलाड़ियों के बीच सद्भावना हॉकी मैच का आयोजन किया जाएगा।

तीन दिवसीय जैविक खेती प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न, 13 पंचायतों की 55 महिला किसानों ने लिया भाग

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। प्रयोग समाजसेवी संस्था तिल्दा नेवरा जिला रायपुर के तत्वावधान में ग्राम पंचायत रामेश्वरम के अंबेडकर भवन में महिला भूमि अधिकार आजीविका परियोजना के अंतर्गत महिला किसानों का तीन दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न हुआ। जिला संयोजिका सुश्री बसंती यादव ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर श्रीफल और माल्यार्पण कर किया गया।



विशेषज्ञ प्रशिक्षक लीला राम साहू, थनेंद्र साहू और परियोजना समन्वयक सविता रथ के नेतृत्व में किसानों को कम लागत में टिकाऊ और जहर मुक्त खेती के गुर सिखाए गए। प्रशिक्षण में वनस्पतियों, गोबर, गोमूत्र से घनमृत, जीवामृत, संजीवनी खाद और बीजोपचार की विधि को वीडियो और प्रैक्टिकल के माध्यम

से समझाया गया। बताया गया कि कैसे जैविक खेती से जल, जंगल, जमीन, पशुधन और पर्यावरण को बचाकर जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटा जा सकता है। इस शिविर में 13 ग्राम पंचायतों से 55 महिला-पुरुष किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सरपंच गायत्री सिंह, पूर्व सरपंच राम लखन सिंह, जगत सिंह,

उप सरपंच नरेन्द्र सिंह, पूर्व उप सरपंच देवकुमार, ग्राम पंचायत पटना की सरपंच बिमला सिंह, ग्राम सेवक कपिल देव सिंह, एकता परिषद ब्लाक अध्यक्ष गनपत सिंह सहित कई मुखिया और किसान उपस्थित रहे। अंत में सहयोगी कार्यकर्ता नंदनी सिंह ने सभी का आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन किया।

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 13 फरवरी 2026 को राजपत्र में प्रकाशित प्राचार्य पदोन्नति के नवीन नियम को लेकर व्याख्याता (एलबी) संवर्ग में भारी नाराजगी है। सरगुजा संभाग सहित छठी अनुसूची क्षेत्र में कार्यरत व्याख्याताओं ने नए नियम को विसंगतिपूर्ण बताते हुए इसे तत्काल निरस्त कर पूर्व व्यवस्था बहाल करने की मांग की है। व्याख्याताओं के प्रतिनिधि मंडल ने सरगुजा संभाग के संयुक्त संचालक शिक्षा राजेश सिंह के नाम ज्ञापन सौंपा। संयुक्त संचालक



के भ्रमण पर होने के कारण सहायक संचालक अनिल अग्रवाल ने ज्ञापन लिया। यह ज्ञापन शिक्षा मंत्री, शिक्षा सचिव और संचालक लोक शिक्षण संचालनालय रायपुर को प्रेषित किया गया है।

व्याख्याताओं का कहना है कि वर्ष 2019 के भर्ती नियम में प्राचार्य पद पर पदोन्नति के लिए व्याख्याताओं को 65 प्रतिशत और प्रधान पाठकों को 25 प्रतिशत

कोटा दिया गया था। नए नियम में इस कोटे में बदलाव कर दिया गया है, जिससे लंबे समय से एक ही पद पर कार्यरत व्याख्याता (एलबी) संवर्ग पदोन्नति के अवसर से वंचित हो जाएगा। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि व्याख्याता संवर्ग के शिक्षक लगभग 22 वर्षों से एक ही पद पर सेवाएं दे रहे हैं। कई व्याख्याता वर्षों से प्रभारी प्राचार्य के रूप में स्कूलों का संचालन कर रहे हैं, बावजूद इसके उन्हें न तो नियमित पदोन्नति मिली है और न ही पर्याप्त आर्थिक लाभ। नए नियम से उनकी पदोन्नति की उम्मीद और कम हो गई है।

जिला स्तरीय अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट सम्पन्न, विजेता रायपुर जाएंगे

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। अणुव्रत विश्व भारती के तत्वावधान में अणुव्रत समिति अंबिकापुर द्वारा अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट 2026 का जिला स्तरीय कार्यक्रम लाइवलीहुड कॉलेज अंबिकापुर में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि संयुक्त संचालक शिक्षा सरगुजा संभाग राजेश सिंह ने दीप प्रज्वलन और अणुव्रत गीत के साथ किया।

विषय था - हमारी ताकत हमारा परिवार

इस वर्ष का विषय 'हमारी

ताकत हमारा परिवार' था। प्रतियोगिता पांच विधाओं - चित्रकला, भाषण, निबंध, कविता और गीत गायन में आयोजित हुई। इसमें दो ग्रुप बनाए गए थे, जूनियर ग्रुप और सीनियर ग्रुप। स्कूलों में प्रथम रहे लगभग 200 बच्चों ने जिला स्तर पर भाग लिया। खास बात है कि राष्ट्रीय स्तर से विषय दिए जाते हैं और विद्यालय व बच्चे ऑनलाइन रजिस्टर्ड होते हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रहती है। कार्यक्रम दो चरणों में हुआ। प्रथम चरण में निबंध और चित्रकला में बच्चों ने अपनी कल्पना बिखेरी, वहीं दूसरे चरण में मंचीय कार्यक्रम में भाषण,



कविता और गीतों की प्रस्तुति हुई। निर्णायक मंडल और विजेता निर्णायकों ने लगभग सभी विधाओं में ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल के बच्चों को विजेता घोषित किया, जबकि जूनियर ग्रुप गायन में

मॉडर्न कॉन्वेंट स्कूल विजेता रही। सभी जिला स्तरीय विजेता अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए रायपुर जाएंगे। मुख्य अतिथि राजेश सिंह ने कहा कि, रयह कार्यक्रम पहली बार देखा है। छुपी प्रतिभाओं को समाज के सामने लाने का यह प्रयास काबिले तारीफ और

अनुकरणीय है। पूरी समिति बधाई की पात्र है। मैं बच्चों को सुनकर अभिभूत हूँ। कार्यक्रम राज्य प्रभारी ममोल कोचेटा के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। इस दौरान समिति अध्यक्ष धनपत महनोट, मंत्री महेंद्र बोथरा, कोषाध्यक्ष हनुमान डागा, सह सचिव मनोज बोथरा, युवक परिषद अध्यक्ष रंजीत मालू सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, अभिभावक और विद्यार्थी उपस्थित रहे। मंच संचालन रोशनी सिंह एवं ममोल कोचेटा ने किया और आभार प्रदर्शन मंत्री महेंद्र बोथरा ने किया। अंत में सभी विजेता बच्चों को पुरस्कार एवं मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया।

सावन के अंतिम सोमवार पर शिवालयों में उमड़े भक्त, जलाभिषेक और भंडारे का आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। पवित्र श्रावण मास के अंतिम सोमवार पर क्षेत्र के सभी शिव मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहा। सुबह से ही जलाभिषेक, भजन-कीर्तन, पूजा-आरती और महाप्रसाद वितरण का दौर शम तक चलता रहा। सावन के अंतिम सोमवार पर गांव-गांव स्थित शिवालयों में भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना की गई। इसी क्रम में थाना कैम्पस स्थित शिव मंदिर में विशेष जलाभिषेक और रुद्राभिषेक किया गया। थाने के सभी स्टाफ अपने परिवार सहित पूजा-पाठ में



शामिल रहे। जलाभिषेक के बाद दिव्य आरती और वृहद भंडारे का आयोजन किया गया, जहां जनप्रतिनिधियों और क्षेत्रवासियों ने माथा टेक कर महाप्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर थाना प्रभारी विराट वीसी, राधेश्याम शर्मा, शिवदयाल सिंह, सोभाग्य

दुबे, संतोष साहू सहित थाना स्टाफ उपस्थित रहा। वहीं ग्राम दवना स्थित स्वयंभू महादेव मंदिर में कांवरियों ने पतरापाली के त्रिवेणी संगम से जल लाकर जलाभिषेक किया। यहां भी दिनभर महाप्रसाद वितरण चलता रहा।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड एम.सी.बी., जिला- एम.सी.बी. (छ०ग०)						
निविदा सूचना क्रमांक/ 07/ व. ले. लि./ का. अ./ लो. खा. यां. खा./ 2026-27 एम.सी.बी., दिनांक- 22.07.2026						
निविदा आमंत्रण सूचना						
मुहरबंद निविदायें छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रतिशत दर पर प्रप्रत्र 'स' में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।						
समूह क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)	अमानत राशि (₹.)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (₹.)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारों की श्रेणी
1	Rewinding & Repairing of 300 KW/402.30HP ALSTOM make AC Induction Motor installed at the Clear Water Pump House under Chhinim Water Supply Scheme i/c complete insulation and replacement winding materials, with cost of materials i/c opening, refitting, transportation, erection, installation & proper alignment with trial and testing etc complete. Details of Motor are:- Make- ALSTOM, 300 KW/402.30HP, Rated Amp.- 65.5 Amp. Volts.- 3300V, Phase.-3, Frequency.- 50Hz, Rpm.- 1490, Frame - DC315F800, Duty.- S1, REF IS: 325, ENCL. - IP55, EFF.- 94.0%, INS.CL.- P, F.P.- 0.85, Weight- 2800 Kg.	4.16	8320.00	750/-	02 माह वर्ष ऋतु सहित	एकीकृत पंजीयन प्रणाली में श्रेणी "द" एवं उच्च श्रेणी
उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति व अन्य जानकारी कार्यालयीन समय में निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 24-08-2026 सायं 5.30 बजे तक प्राप्त की जा सकती है।						
कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड एम.सी.बी., जिला- एम.सी.बी. (छ०ग०)						
जी 262702876/1						

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। प्रदेश की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ ही उन्हें अपने परिवार और बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए आर्थिक योजना बनाने का अवसर महतारी वंदन योजना दे रही है। योजना से लाभान्वित लखनपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत खुटिया निवासी श्रीमती उमा सिंह हर माह मिलने वाली 1,000 की राशि अपनी बितिया के नाम पर पोस्ट ऑफिस में जमा कर रही हैं। उमा सिंह ने बताया कि महतारी वंदन योजना के तहत उन्हें प्रत्येक माह 1,000 की सहयोग राशि प्राप्त होती है। वह इस राशि का उपयोग स्वयं पर खर्च करने के बजाय अपनी बेटी के भविष्य को सुरक्षित करने के उद्देश्य से पोस्ट ऑफिस में जमा कर रही हैं। उनका कहना है कि



आगे चलकर यह बचत उनकी बितिया की पढ़ाई-लिखाई में उपयोगी साबित होगी। उमा सिंह ने इस आर्थिक सहयोग के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि उनके लिए अपनी बेटी के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में बचत करने

का माध्यम बनी है। उन्होंने मुख्यमंत्री को योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली नियमित सहायता महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ बचत की आदत विकसित करने के साथ ही परिवार की प्राथमिक आवश्यकताओं को पूरा करने और बच्चों के भविष्य के लिए आर्थिक आधार तैयार करने में सहयोग प्रदान कर रही है। उमा सिंह की पहल इसी सकारात्मक बदलाव की तस्वीर प्रस्तुत करती है, जहां योजना की राशि तत्काल जरूरतों के साथ-साथ आने वाले कल को बेहतर बनाने के लिए भी उपयोग में लाई जा रही है।

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। ग्रामीण महिलाओं को स्व-सहायता समूहों से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने में 'बिहान' योजना मील का पत्थर साबित हो रही है। अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत सकालो की माया विश्वास इसकी जीवंत मिसाल है। माया 'काली माई' स्व-सहायता समूह से जुड़ी हैं। पहले परिवार की आर्थिक स्थिति काफी कमजोर थी और आय के सीमित साधन थे। समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने बदलाव की राह पकड़ी। उन्होंने समूह से 70 हजार रुपये का ऋण लेकर मक्का उत्पादन शुरू किया। आज स्थिति यह है कि उन्हें उपज बेचने बाजार नहीं

जाना पड़ता, खरीदार घर से ही मक्का ले जाते हैं, जिससे समय और परिवहन खर्च दोनों की बचत हो रही है। मक्का की खेती से उनकी आय बढ़ी है और परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है।

इसी सफलता से माया 'लखपति दीदी' के रूप में अपनी पहचान बना चुकी हैं। माया ने बताया कि समूह से मिले छोटे-छोटे ऋण ने बड़ा बदलाव लाया। उन्होंने कहा कि आजीविका का अवसर देने के लिए वे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को धन्यवाद देती हैं। उनकी कहानी बताती है कि स्व-सहायता समूह सिर्फ बचत-ऋण तक सीमित नहीं, बल्कि ग्रामीण महिलाओं को स्थायी आजीविका से जोड़ने का सशक्त माध्यम है।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लालकिले की ऐतिहासिक प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए ‘दिमागी नक्सल’ शब्द का प्रयोग किया। अब सवाल उठाए जा रहे हैं कि पीएम किन लोगों को ‘दिमागी नक्सल’ के नाम से पुकारना चाहते हैं और क्या सच में देश की शांति को इनसे किसी किस्म का खतरा है? क्या मोदी सरकार इस शब्द के माध्यम से अपनी आलोचना करने वाले लोगों पर शिकंजा कसना चाहती है और अभिव्यक्ति की आजादी छीनना चाहती है? जहां एक ओर एनडीए सरकार के प्रयासों से बंदूकधारी नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है, वहीं विपक्षी नेताओं द्वारा इस शब्दावली को स्वयं पर ओढ़ना उनकी वैचारिक दिशा पर सवाल खड़े करता है। यह शब्द जितना भारी है, इसके पीछे की राजनीति उतनी ही गहरी और मानवीय संवेदनाओं को झकझोरने वाली है। आज का युवा और उसके नए तरीके के आंदोलन वाकई व्यवस्था को असहज कर रहे हैं और इसी कारण येन-केन-प्रकारेण विरोध की हर आवाज को कुचलने की कोशिश की जा रही है। नक्सलवाद, अपने मूल रूप में, बंदूक और हिंसा के रास्ते सत्ता को उखाड़ फेंकने की एक विचारधारा रही है। लेकिन दिमागी नक्सल एक बिल्कुल नई गढ़ी हुई शब्दावली है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

अब हर शब्द के लिए बुना जाता है जाल



विश्लेषण

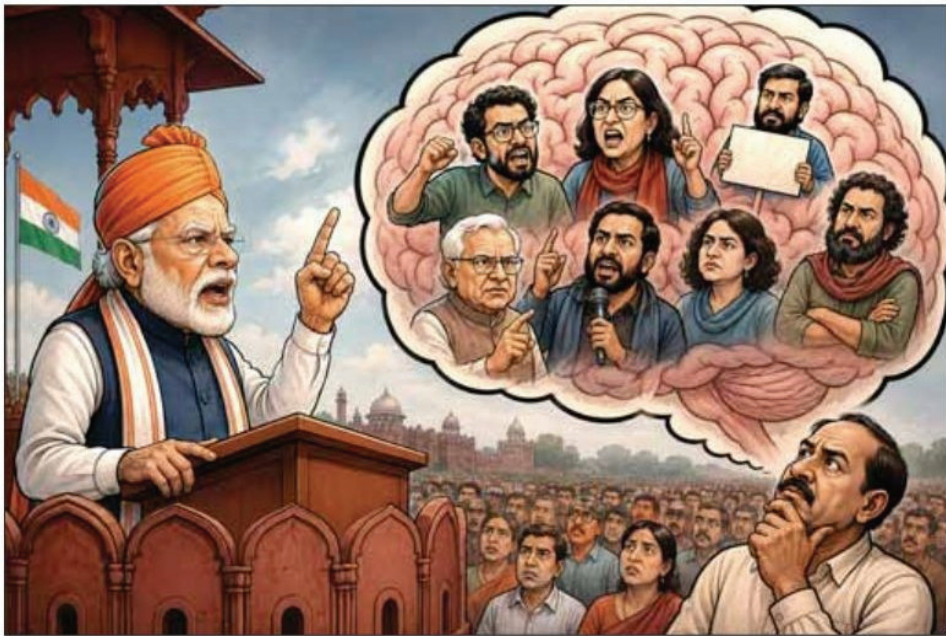
डॉ. चन्द्र त्रिखा
वरिष्ठ स्तंभकार

प्रधानमंत्री ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए ‘दिमागी नक्सल’ शब्द का प्रयोग किया तो इसने पूरे देश के राजनीतिक, सामाजिक और बौद्धिक विमर्श में एक नई और गहरी बहस को जन्म दे दिया। यह मात्र एक राजनीतिक शब्दावली का प्रयोग नहीं था बल्कि भारतीय समाज के भीतर पनप रही एक अदृश्य, सूक्ष्म और कहीं अधिक जटिल चुनौती की ओर किया गया एक अत्यंत गंभीर इशारा था। दशकों से हमारे देश ने जंगलों, बीहड़ों और दुर्गम पहाड़ियों में पनपने वाले उस हथियारबंद नक्सलवाद का सामना किया है जिसने सीधे तौर पर बंदूक के दम पर भारतीय राज्य व्यवस्था और लोकतांत्रिक ढांचे को चुनौती दी थी। हजारों निदोष नागरिकों और सुरक्षाबलों के जवानों ने इस हिंसक वामपंथी उपद्रवाद की कीमत अपनी जान देकर चुकाई है। आज, जब सुरक्षा बलों के अदम्य साहस, लगातार चलाए गए अभियानों और विकास की पहुंच के कारण वह हिंसक और सशस्त्र नक्सलवाद अपने अंतिम प्रहर की ओर बढ़ रहा है, तब एक नए प्रकार के खतरे ने समाज में अपनी जड़ें फैलानी शुरू कर दी हैं। प्रधानमंत्री का यह वक्तव्य उसी नए खतरे के प्रति देश को आगाह करने का एक प्रयास था, जो बंदूकों से नहीं बल्कि संवाद, विचारों, लेखनों और विमर्श के माध्यम से हमारे समाज के ताने-बाने को भीतर से भेदने का प्रयास कर रहा है। अब सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि आखिर सत्ता के शीर्ष पर बैठे प्रधानमंत्री किन लोगों को ‘दिमागी नक्सल’ के नाम से पुकारना चाहते हैं और इनका वास्तविक स्वरूप क्या है।

नक्सलवाद क्या था? नक्सलबाड़ी कहाँ थी? इस ‘शब्द’ की शुरुआत कहाँ से हुई? ये चारू मजूमदार, कानू सन्याल आदि कौन थे, इन प्रश्नों के उत्तर शायद उनके पास भी नहीं, जो आज प्रधानमंत्री के स्वाधीनता-दिवस सम्बोधन को लेकर लम्बे-चौड़े बयान दागने में व्यस्त हैं। अब कुछ लोगों को स्वयं को ‘दिमागी नक्सल’ कहलाने में भी गर्व हो रहा है। हमारे देश में अब किन्हीं भी शब्दों को लेकर बहस-मुबाहसा एक ‘राष्ट्रीय हॉबी’ बन चला है। भारत के स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर लाल किले की ऐतिहासिक प्राचीर से जब प्रधानमंत्री ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए ‘दिमागी नक्सल’ शब्द का प्रयोग किया तो इसने पूरे देश के राजनीतिक, सामाजिक और बौद्धिक विमर्श में एक नई और गहरी बहस को जन्म दे दिया। यह मात्र एक राजनीतिक शब्दावली का प्रयोग नहीं था बल्कि भारतीय समाज के भीतर पनप रही एक अदृश्य, सूक्ष्म और कहीं अधिक जटिल चुनौती की ओर किया गया एक अत्यंत गंभीर इशारा था। दशकों से हमारे देश ने जंगलों, बीहड़ों और दुर्गम पहाड़ियों में पनपने वाले उस हथियारबंद नक्सलवाद का सामना किया है जिसने सीधे तौर पर बंदूक के दम पर भारतीय राज्य व्यवस्था और लोकतांत्रिक ढांचे को चुनौती दी थी। हजारों निदोष नागरिकों और सुरक्षाबलों के जवानों ने इस हिंसक वामपंथी उपद्रवाद की कीमत अपनी जान देकर चुकाई है। आज, जब सुरक्षा बलों के अदम्य साहस, लगातार चलाए गए अभियानों और विकास की पहुंच के कारण वह हिंसक और सशस्त्र नक्सलवाद अपने अंतिम प्रहर की ओर बढ़ रहा है, तब एक नए प्रकार के खतरे ने समाज में अपनी जड़ें फैलानी शुरू कर दी हैं। प्रधानमंत्री का यह वक्तव्य उसी नए खतरे के प्रति देश को आगाह करने का एक प्रयास था, जो बंदूकों से नहीं बल्कि संवाद, विचारों, लेखनों और विमर्श के माध्यम से हमारे समाज के ताने-बाने को भीतर से भेदने का प्रयास कर रहा है। अब सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि आखिर सत्ता के शीर्ष पर बैठे प्रधानमंत्री किन लोगों को ‘दिमागी नक्सल’ के नाम से पुकारना चाहते हैं और इनका वास्तविक स्वरूप क्या है।

नकारात्मक ‘नैरेटिव’

‘दिमागी नक्सल’ को यदि इसके गहरे अर्थों में समझा जाए तो यह शब्द, जिन्हें अक्सर वैचारिक नक्सली या ‘अर्बन नक्सल’ भी कहा जाता है, वे लोग हैं जो कभी प्रत्यक्ष रूप से हाथों में हथियार नहीं उठाते। ये लोग जंगलों में छिपकर पुलिस से मुठभेड़ नहीं करते बल्कि ये हमारे समाज के सबसे सुरक्षित और प्रतिष्ठित हिस्सों में रहते हैं। ये अक्सर



न्यायपूर्ण व्यवस्था का निर्माण जरूरी

एक स्वस्थ, परिपक्व और विकासशील लोकतंत्र में सरकार से कड़े सवाल पूछना, उसकी जनविरोधी नीतियों की तीखी आलोचना करना और कमजोर तथा शोषित वर्गों के अधिकारों के लिए सड़क पर उत्तरकथ शक्तिपूर्ण विरोध दर्ज कराना कोई अपराध नहीं है बल्कि यह एक जागरूक नागरिक का परम कर्तव्य है। मानवाधिकारों की रक्षा के लिए खड़े होने वाले हर व्यक्ति या विश्वविद्यालयों में बौद्धिक बहस करने वाले हर छात्र को संवेद की दृष्टि से देखना और उसे नक्सलवाद का चोला पहना देना स्वयं लोकतंत्र की भूरा मानवा के खिलाफ हो सकता है। यदि अक्सर नृति को राष्ट्रद्रोह मान लिया गया तो समाज की सोचने-समझने की शक्ति क्षीण हो जायगी और एक डर का माहौल पैदा होगा, जो अंततः देश के मानसिक और बौद्धिक विकास को ही पूरी तरह से

अवरुद्ध कर देगा। इस पूरे विमर्श को एक बेहद संतुलित, तार्किक और मानवीय नजरिए से देखने की आवश्यकता है। हमें उन विघटनकारी तत्त्वों, छद्म विचारकों और विदेशी इशारों पर काम करने वाले उन तत्वों को पहचानकर कानून के दायरे में रोकना निर्रांत आवश्यक है जो हमारे युवाओं के भविष्य और देश की शांति के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। हमें एक ऐसी न्यायपूर्ण व्यवस्था का निर्माण करना होगा, जहां राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर किसी निदोष या सवाल पूछने वाले नागरिक का उत्पीड़न न हो और अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर कोई भी हमारे राष्ट्र की शांति को आग न लगा सके। यही वह संतुलन है जो भारत को भविष्य में एक सशक्त, सुरक्षित और सही अर्थ में एक विचारशील राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर स्थापित करेगा।

प्रत्यक्ष युद्ध से अधिक खतरनाक

अब हम उस सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील सवाल पर आते हैं कि क्या सचमुच में देश की शांति, सुरक्षा और अखंडता को इन लोगों से किसी किस्म का कोई गंभीर खतरा है? इस प्रश्न को लेकर समाज में दो अलग-अलग और बेहद स्पष्ट दृष्टिकोण मौजूद हैं, जिन्हें समझने बिना इस विषय का पूरा खज नहीं जाना जा सकता। यदि हम सचमुच सुरक्षा और सरकार के कर्तव्य से दूर खड़े हो जाएं तो हमारे देश की शांति और विकास पर खतरा पड़ सकता है। हालांकि, इस विमर्श का एक दूसरा और उज्ज्वला ही महत्वपूर्ण तथ्य मानवीय पहलू भी है जो सीधे तौर पर हमारे जीवित लोकतंत्र की सेहत और आम नागरिकों की स्वतंत्रता से जुड़ा हुआ है। आलोचकों, स्वतंत्र विचारकों, पत्रकारों और नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं को यह एक बहुत ही गहरी और वाजिब चिंता है कि ‘दिमागी नक्सल’ या ‘अर्बन नक्सल’ जैसे शब्दों की हमारे संविधान का बंड सहितता में कोई स्पष्ट कानूनी या अकादमिक परिभाषा मौजूद नहीं है। जब किसी अपराध या गतिविधि की कोई स्पष्ट सीमा रेखा नहीं होती तो इस बात का डर हमेशा और बहुत मजबूती से बना रहता है कि कहीं इस भरो-भरकम शब्द का इस्तेमाल सत्ता द्वारा उन तमाम लोकतांत्रिक आवाजों को डराने, धमकाने या कुचलने के लिए न किया जाए, जो केवल व्यवस्था में सुधार की मांग कर रहे हैं या सरकार की नीतियों से तार्किक रूप से असहमत हैं।

सरकार की नीतियों से असहमति

यह एक धीमा जहर है जो समाज की नसों में इस तरह घोला जाता है कि बीमार होने वाले को अपनी बीमारी का अहसास तक नहीं होता। जब विदेशी मंत्रों पर देश की छवि को जानबूझकर धूमिल किया जाता है, जब विकास की हर परियोजना को पारदर्शिता या अधिकारों के नाम पर रोकने की साजिश उंची जाती है, तो निश्चित रूप से यह देश की नीति और नीतियों से तार्किक रूप से असहमत हैं।

चुनी हुई सरकार से सवाल करना नागरिक का अधिकार



लो

कतंत्र में सत्ता और विपक्ष के बीच सत्ता प्राप्ति की चाहत में निरंतर एक संघर्ष और विमर्श चलता रहता है और चलता भी रहना चाहिए। इसी से लोकतंत्र की सेहत दुरुस्त रहती है क्योंकि इसी संघर्ष से चुनौती बढ़े और नैरेटिव का जन्म होता है। लोकतंत्र में अगर विपक्ष निष्क्रिय हो जाएगा तो सत्ता को राजशाही में बदलने से कोई नहीं रोक सकता। इधर सत्ता में बैठे हुए पार्टी की अपनी सत्ता को बनाए रखने की कोशिश में नारे और नैरेटिव का खेल खेलती है। इसी नैरेटिव को गढ़ने की कोशिश में नए शब्द गढ़े जाते हैं। शब्दों की इसी भूखला में कई वर्ष पहले ‘अर्बन नक्सल’ एक शब्द आया था। अब इसी अर्बन नक्सल को और थोड़ा परिष्कृत करके प्रधानमंत्री के द्वारा लाल किले की प्राचीर से एक नया शब्द ‘दिमागी नक्सल’ का प्रयोग हुआ। शब्द के प्रयोग के बाद उसकी व्याख्या शुरू हुई, वाद-विवाद हुए, अर्थ-अन्वर्थ निकाले गए। इस तरह एक शब्द को लेकर एक नई बहस शुरू हो गई। विपक्ष के लोगों ने ‘दिमागी नक्सल’ शब्द को अपनी परिभाषा दी है, जो भी सत्ता से सवाल पूछेगा उसको ‘दिमागी नक्सल’ बोला जाएगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था मत देने वाले हर व्यक्ति को यह अधिकार देती है कि वह अपनी चुनी हुई सरकार से सवाल करे। इन सवाल की प्रासंगिकता उस वक्त और बढ़ जाती है जब व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर परेशानियां निरंतर बढ़ने लगती हैं और उनके समाधान नहीं होते जाते हैं। देश में पिछले कई वर्षों से पेंपर लीक एक बड़ी समस्या बनकर उभरा है। पेंपर लीक के इन मामलों में कई रसूखार लोग भी पकड़े गए, लेकिन समस्या खत्म होने के बजाए और बढ़ती गई। आखिर देश की युवा पीढ़ी का गुस्सा आग बनकर सड़कों पर उतरा जिसने हिंसा का रूप ले लिया। कई सुरक्षाकर्मी घायल हुए जो नहीं होने चाहिए थे। सरकार में शीर्ष पदों पर बैठे हुए लोगों के लिए अमरद भाषा का प्रयोग हुआ जो नहीं होना चाहिए था। इसी संदर्भ में सत्ता और विपक्ष दोनों तरफ से कुछ नर नैरेटिव गढ़े गए और नए शब्दों का भी प्रयोग हुआ, इसलिए सवाल भी दोनों तरफ उठते हैं। क्या सत्ता से सवाल पूछना अपराध है या सरकार के किसी कृत्य का विरोध करना गुनाह है या सवाल पूछने वालों को प्रभावहीन बताकर उनकी उपेक्षा करना उचित है। बहुत आवश्यक है कि लोकतंत्र में सत्ता की तरह हलवाव होती रहनी चाहिए। दूसरी तरफ विपक्ष का भी यह धर्म है कि वह अपनी बंदूक समाज के किसी ऐसे वर्ग के कथों पर न रखे जो मासूम हों। जंतर-जंतर पर होने वाले छात्र आंदोलन के माध्यम से जो कुछ हुआ, वह विरोध कम संघर्ष अधिक था। शीर्ष पर बैठे लोगों के लिए जिस तरह के अपभ्रंशों का प्रयोग किया गया, वह किसी भी सभ्य समाज में जायज नहीं ठहराया जा सकता। शायद इसी को काउंटर करने के लिए प्रधानमंत्री को ‘दिमागी नक्सल’ शब्द का प्रयोग करना पड़ा। ‘अर्बन नक्सल’ से दिमागी नक्सल तक की ये शब्दावली सत्ता अनायास नहीं है। इसके पीछे भी बहुत सारे तर्क हैं। केवल जंतर-जंतर के आंदोलन से इसे जोड़ना ठीक नहीं होगा। भारत के बड़े भूभाग जिसमें बंगाल, बिहार, झारखण्ड, उत्तराखण्ड, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र तक नक्सलवाद का प्रभाव रहा है। इसमें उत्तराखण्ड तो नक्सलवाद के केंद्र के रूप में उभरा है। लेकिन गुड मंत्रालय और भारतीय सशस्त्र बलों के अथक प्रयास के पश्चात देश के सभी हिस्सों से नक्सलवाद पूरी तरह समाप्त हो चुका है। अब सरकार को चिंता इस बात की है कि इसी विचारधारा के शहरो में बैठे लोग कहीं फिर से युवाओं के मन में इस विचार का बीजारोपण न कर दें। इसी को लेकर सरकार को चिंता बहुत हद तक वाजिब भी है। यह मामला कितना संवेदनशील है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री को यह मुद्दा लाल किले के अपने भाषण से उठाना पड़ा ताकि देश के जनमानस को इस दिमागी नक्सलवाद के खिलाफ आगाह किया जा सके। सरकारों के प्रति या उसकी नीतियों के प्रति लोगों का गुस्सा जायज हो सकता है, लेकिन एक सभ्य लोकतंत्र में विरोध के नाम पर किसी को भी हथियार उठाने या भाला देने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। अगर विरोध के नाम पर ये सब होता है तो निश्चित रूप से यह चिंता का

यह मामला कितना संवेदनशील है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री को यह मुद्दा लाल किले के अपने भाषण से उठाना पड़ा, ताकि देश के जनमानस को इस ‘दिमागी नक्सलवाद’ के खिलाफ आगाह किया जा सके।

दी थी। आज जब सशस्त्र नक्सलवाद अपने अंतिम दौर में है, तब एक नए प्रकार के खतरे ने समाज में अपनी जड़ें फैलानी शुरू कर दी हैं।

समाज क प्रखुर वगै-जस। लश्करवाद्यालया क पारसरा, मानवाधिकार संगठनों, साहित्य, कला और मीडिया के क्षेत्रों में एक सम्मिश्रित चोले के भीतर छिपे हो सकते हैं। इनका मुख्य हथियार इनकी लेखनी, इनका प्रभावशाली भाषण, इनका अकादमिक शोध और संवाद की वह आकर्षक शैली है, जिसके जरिए ये बहुत ही चतुराई से स्थापित लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं, संवैधानिक संस्थाओं और राष्ट्रीय स्तर के खिलाफ एक निरंतर नकारात्मक ‘नैरेटिव’ या विमर्श तैयार करते हैं। सरकार और सुरक्षा एजेंसियों के दृष्टिकोण से देखें तो इन दिमागी नक्सलियों का मुख्य लक्ष्य देश की युवा पीढ़ी, विशेषकर छात्रों के भावुक नस्लियों को अपना निशाना बनाना है जो दुनिया को बदलने का आदर्शवादी सपना देखते हैं। ये वैचारिक तत्त्व समाज की वास्तविक समस्याओं को सुलझाने के बजाय युवाओं के भीतर अपने ही देश, संस्कृति और अपनी ही लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति नफरत, आक्रोश और गहरे अविश्वास के बीज बोते हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा और सरकार के कर्तव्य से दूर खड़े हो जाएं तो हमारे देश की शांति और विकास पर खतरा पड़ सकता है। हालांकि, इस विमर्श का एक दूसरा और उज्ज्वला ही महत्वपूर्ण तथ्य मानवीय पहलू भी है जो सीधे तौर पर हमारे जीवित लोकतंत्र की सेहत और आम नागरिकों की स्वतंत्रता से जुड़ा हुआ है। आलोचकों, स्वतंत्र विचारकों, पत्रकारों और नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं को यह एक बहुत ही गहरी और वाजिब चिंता है कि ‘दिमागी नक्सल’ या ‘अर्बन नक्सल’ जैसे शब्दों की हमारे संविधान का बंड सहितता में कोई स्पष्ट कानूनी या अकादमिक परिभाषा मौजूद नहीं है। जब किसी अपराध या गतिविधि की कोई स्पष्ट सीमा रेखा नहीं होती तो इस बात का डर हमेशा और बहुत मजबूती से बना रहता है कि कहीं इस भरो-भरकम शब्द का इस्तेमाल सत्ता द्वारा उन तमाम लोकतांत्रिक आवाजों को डराने, धमकाने या कुचलने के लिए न किया जाए, जो केवल व्यवस्था में सुधार की मांग कर रहे हैं या सरकार की नीतियों से तार्किक रूप से असहमत हैं।

शांत और आवाज सुनने का लिए एक बहुत बड़ा और गंभीर खतरा बन जाता है। हालांकि, इस विमर्श का एक दूसरा और उज्ज्वला ही महत्वपूर्ण तथ्य मानवीय पहलू भी है जो सीधे तौर पर हमारे जीवित लोकतंत्र की सेहत और आम नागरिकों की स्वतंत्रता से जुड़ा हुआ है। आलोचकों, स्वतंत्र विचारकों, पत्रकारों और नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं को यह एक बहुत ही गहरी और वाजिब चिंता है कि ‘दिमागी नक्सल’ या ‘अर्बन नक्सल’ जैसे शब्दों की हमारे संविधान का बंड सहितता में कोई स्पष्ट कानूनी या अकादमिक परिभाषा मौजूद नहीं है। जब किसी अपराध या गतिविधि की कोई स्पष्ट सीमा रेखा नहीं होती तो इस बात का डर हमेशा और बहुत मजबूती से बना रहता है कि कहीं इस भरो-भरकम शब्द का इस्तेमाल सत्ता द्वारा उन तमाम लोकतांत्रिक आवाजों को डराने, धमकाने या कुचलने के लिए न किया जाए, जो केवल व्यवस्था में सुधार की मांग कर रहे हैं या सरकार की नीतियों से तार्किक रूप से असहमत हैं।

विषय है। सत्ता और समाज के बीच जब भी ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है तो समाज के चौथे पिलर न्याय प्रणाली का भूमिका बहुत अहम हो जाती है। अपने हक के लिए संघर्ष करते लोगों पर किया जाने वाला बला प्रयोग अगर अक्रुचित है तो व्यवस्था कायम करने वाले सुरक्षाकर्मियों पर पत्थर चलाना, उन्हें भाला देना भी पूर्णतया बहिष्कार करने योग्य है। जब दोनों पक्ष अपने को सही ठहराने लगे तो न्यायप्रणाली का भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। इस पूरी बहस का निष्कर्ष यही है कि सरकार को समझना चाहिए कि सरकार का विरोध देश का विरोध नहीं होता और विपक्ष को भी यह समझना चाहिए कि सरकार और देश के विरोध में खिंची हुई लक्ष्मण रेखा कभी अदृश्य न हो, न ही धुंधली पड़े। सरकारें जाती हैं और चली जाती हैं, देश हमेशा रहता है। कोई सत्ता में हो या विपक्ष में देश का कानून और देश का सम्मान सर्वोपरि है। उसे किसी भी प्रकार की ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए। सत्ता के लालच में कोई व्यक्ति या पार्टी अगर गलत कदम लेता है तो वह स्वीकार्य नहीं है। साथ ही सरकार को भी अपनी मर्यादा में समझनी चाहिए।

नक्सल-मुक्त भारत व दिमागी नक्सल का दंभ



मंथन

डॉ. पवन कुमार शर्मा
स्वतंत्र पत्रकार

भारत के राजनीतिक और आंतरिक सुरक्षा परिदृश्य में ‘दिमागी नक्सल’ शब्दावली को लेकर एक तीव्र वैचारिक एवं राजनीतिक बहस छिड़ी हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए वक्तव्य के बाद पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री पी. चिदंबरम और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की टिप्पणियों ने इस विषय को राजनीतिक चर्चा के केंद्र में ला दिया है। स्वतंत्रता दिवस के अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि भारत सरकार ने जंगलों से हिंसक और हथियारबंद नक्सलवाद का लगभग पूरी तरह खान्सा कर दिया है। हालांकि उन्होंने आगाह किया कि देश को अब ‘दिमागी नक्सलियों’ से सतर्क रहने की जरूरत है जो शहरी और शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से समाज में अराजकता और वैचारिक हिंसा फैलाने की फिराक में रहते हैं। इसके जवाब में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री पी. चिदंबरम ने सोशल मीडिया पर पलटवार करते हुए लिखा, “मुझे दिमागी नक्सली होने पर गर्व है।” वहीं आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी एक वीडियो संदेश जारी कर कहा कि यदि सरकार से सवाल पूछना, जनहित के मुद्दे उठाना और देशभक्ति के साथ व्यवस्था का विरोध करना दिमागी नक्सलवाद है तो वे भी ‘दिमागी नक्सली’ हैं और उन्हें इस पर गर्व है। बीजेपी और सुरक्षा विशेषज्ञों का तर्क है कि जहां एक ओर एनडीए सरकार के प्रयासों से बंदूकधारी नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है, वहीं विपक्षी नेताओं द्वारा इस शब्दावली को स्वयं पर ओढ़ना उनकी वैचारिक दिशा पर सवाल खड़े करता है। बीजेपी ने पी. चिदंबरम के बयान पर पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के 2006 के उस बयान की याद दिलाई जिसमें उन्होंने नक्सलवाद को ‘देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा’ बताया था। बीजेपी का तर्क है कि एक पूर्व गृह मंत्री का स्वयं को नक्सलवाद के किसी भी रूप से जोड़ना राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति

असंवेदनशीलता को दर्शाता है। दूसरी ओर अरविंद केजरीवाल अराजकता का समर्थन पहली बार नहीं कर रहे हैं। 20 जनवरी 2014 को जब वे पहली बार दिल्ली के मुख्यमंत्री बने ही थे तब उन्होंने रेल भवन के बाहर धरना-प्रदर्शन करते हुए बयान दिया था कि मैं अराजक हूं। भारतीय राजनीति के इतिहास में यह पहली बार था जब किसी राज्य के पदस्थ मुख्यमंत्री ने खुद को सार्वजनिक रूप से ‘अराजक’ स्वीकार करते हुए सड़क पर 30 घंटों तक धरना दिया था। हालांकि विपक्षी नेताओं और उनके समर्थकों का

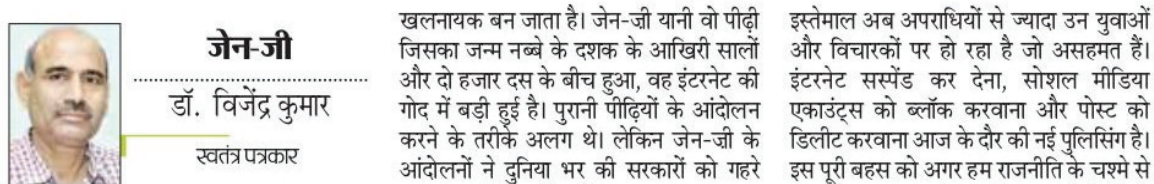
समावेशन ने नक्सलवाद के प्रभाव को ऐतिहासिक रूप से न्यूनतम स्तर पर ला खड़ा किया है। सशस्त्र नक्सलवाद के अलावा, वैचारिक एवं प्रशासनिक गलियारों में ‘अर्बन नक्सलवाद’ या ‘दिमागी नक्सलवाद’ की शब्दावली पर अकसर बहस होती रहती है। सुरक्षा विश्लेषकों का मानना है कि बंदूकों से लड़ा जाने वाला नक्सलवाद केवल एक पहलू है, जबकि जंगलों के बाहर मुख्याधारा के शहरो, शैक्षणिक संस्थाओं और सामाजिक संगठनों में नक्सलियों को वैचारिक एवं कानूनी सहायता प्रदान करने



विपक्षी नेताओं और उनके समर्थकों का मानना है कि 'अर्बन नक्सल' या 'दिमागी नक्सल' जैसे शब्दों का प्रयोग सरकार अपने राजनीतिक विरोधियों, नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और असहमति जताने वाले बुद्धिजीवियों को चुप कराने और उन्हें बदनाम करने के लिए करती है।

मानना है कि ‘अर्बन नक्सल’ या ‘दिमागी नक्सल’ जैसे शब्दों का प्रयोग सरकार अपने राजनीतिक विरोधियों, नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और असहमति जताने वाले बुद्धिजीवियों को चुप कराने और उन्हें बदनाम करने के लिए करती है। उनका दावा है कि उनका विरोध करती, संविधान और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए है। भारत में वामपंथी उपद्रवाद यानी लाल आतंक का इतिहास आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियों में सबसे जटिल रहा है। हालांकि बीते एक दशक में भारत सरकार की विस्तरयी नीति- सुरक्षा, विकास और

वाला ‘अर्बन नेटवर्क’ तंत्र स्पष्ट करता है। पी. चिदंबरम और अरविंद केजरीवाल जैसे राजनेताओं पर आलोचकों द्वारा नक्सल-सहानुभूति या प्रशासनिक उदासीनता के आरोप लगाए जाते रहे हैं, जबकि दोनों नेताओं और उनके समर्थकों का यह तर्क रहा है कि वे नागरिक अधिकारों, आदिवासी हितों और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा की बात करते हैं। जमीनी आंकड़ों और सुरक्षाबलों की कार्रवाई से यह स्पष्ट है कि राजनीतिक घेराबंदी, बेहतर बुनियादी ढांचे और सख्त सुरक्षा नीति के कारण भारत में नक्सलवाद अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है।



जेन-जी

डॉ. विजेंद्र कुमार
स्वतंत्र पत्रकार

लोकतंत्र की सबसे खूबसूरत बात यह है कि इसमें सोचने की और सवाल पूछने की आजादी होती है। लेकिन क्या हो जब ये सवाल सत्ता के कानों में चुभने लगें? क्या हो जब एक पूरी नई पीढ़ी, जिसे हम ‘जेन-जी’ कहते हैं, पुरानी व्यवस्था से ऐसे सवाल पूछने लगे जिनके जवाब फाइलों और भाषणों में नहीं मिलते? आज के समय में ऐसे ही सवाल पूछने वाले युवाओं, विचारकों और आम नागरिकों को एक नया नाम दे दिया गया है, जिसे ‘दिमागी नक्सल’ कहा जा रहा है। यह शब्द जितना भारी है, इसके पीछे की राजनीति उतनी ही गहरी और मानवीय संवेदनाओं को झकझोरने वाली है। आज का युवा और उसके नए तरीके के आंदोलन वाकई व्यवस्था को असहज कर रहे हैं और इसी कारण येन-केन-प्रकारेण विरोध की हर आवाज को कुचलने की कोशिश की जा रही है। नक्सलवाद, अपने मूल रूप में, बंदूक और हिंसा के रास्ते सत्ता को उखाड़ फेंकने की एक विचारधारा रही है। लेकिन दिमागी नक्सल या अर्बन नक्सल एक बिल्कुल नई गढ़ी हुई शब्दावली है। इसका इस्तेमाल उन लोगों के लिए किया जा रहा है जिनके हाथों में बंदूक नहीं, बल्कि किताबें, कीबोर्ड और स्मार्टफोन हैं। ये वो लोग हैं जो पर्यावरण की बात करते हैं, जो रोजगार मांगते हैं, जो परीक्षा के पेपर लीक होने पर सड़क पर उतर आते हैं, या जो किसी अन्याय के खिलाफ सोशल मीडिया पर अपना विरोध दर्ज करते हैं। जब सत्ता इन तर्कों का जवाब तर्कों से नहीं दे पाती, तो वह एक आसान रास्ता चुनती है, ठप्पा लगाने का। किसी को दिमागी नक्सल कह देना दूरअसल उसकी आवाज को, उसकी पीड़ा को और उसके सच को खारिज करने का एक बेहद चालाक तरीका है। जब आप किसी युवा को यह तमगा दे देते हैं, तो आपको उसके उड़ाए गए असली मुद्दों पर जवाब नहीं देना पड़ता और वह समाज की नजरों में एक



व्यवस्था इस बात से खौफजदा है कि जिस नैरेटिव को बनाने में वह करोड़ों रुपये और पूरा तंत्र लगा देती है, उसे एक युवा अपने छोटे से वीडियो से ध्वस्त कर देता है। सरकारें अब येन-केन-प्रकारेण विरोध को कुचलना चाहती हैं। कड़े कानूनों का इस्तेमाल अब अपराधियों से ज्यादा उन युवाओं और विचारकों पर हो रहा है।

एक डिजिटल सेलाब ला देते हैं। सरकारें परेशान हैं क्योंकि उन्हें समझ नहीं आता कि इस पीढ़ी से कैसे लड़ा जाए। जेन-जी के पास न खोने के लिए कोई बड़ा राजनीतिक करियर है और न ही वे पुरानी विचारधाराओं के बंधनों में बंधे हैं। वे बहुत साफ, सीधे और बेबाक सवाल पूछते हैं। व्यवस्था इस बात से खौफजदा है कि जिस नैरेटिव को बनाने में वह करोड़ों रुपये और पूरा तंत्र लगा देती है, उसे एक युवा अपने छोटे से वीडियो से ध्वस्त कर देता है। सरकारें अब येन-केन-प्रकारेण विरोध को कुचलना चाहती हैं। अंग्रेजों के बनाए हुए या नए कड़े कानूनों का

सड़क पर उतरता है। एक लड़की जो रात में सड़कों पर अपनी सुरक्षा की गारंटी मांग रही है, या वो व्यक्ति जो अपनी जल, जल, जमीन को बचा रहा है, वे कोई दिमागी नक्सल नहीं हैं। जेन-जी के पास बहुत ज्यादा अपेक्षाएं नहीं हैं। अगर सरकारें सचमुच देश का विकास चाहती हैं, तो उन्हें इन युवाओं से डरने या उन्हें कुचलने के बजाय, उनके सवालों के जवाब ढूँढने होंगे। उन्हें दिमागी नक्सल कहकर खारिज करने से समस्या हल नहीं होगी; बल्कि यह संवाद की उस खिड़की को हमेशा के लिए बंद कर देगा, जो एक बेहतर भविष्य के लिए बहुत जरूरी है।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अंबिकापुर जिला -सरगुजा
रा०प्र०क्र०/20(11)/2025-26
ईश्वहार
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका अमित कुमार मिश्रा आ०/पति नित्यानंद मिश्रा जाति ब्राम्हण, निवासी शीतला वाई सलीपारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला बाबूपारा, शीट नम्बर 9 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3467/4866/112 रकबा 180 वर्गमीटर भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा 'आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 09.09.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं।नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक:- 04.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।
नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्वरहार
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका गंगा राम आ०/पति रघु परस राम अग्रवाल जाति अग्रवाल, निवासी अग्रसेन वाई अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-अग्रसेन वाई, शीट नम्बर-8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2757/1 रकबा 763 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा 'आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 02.09.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं।नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक:- 17.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।
नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

शपथ पत्र

मैं ऐश्वर्य कुशवाहा आ० शत्रुहन कुशवाहा उम्र लगभग 10-19 वर्ष, जाति-कोड़ी निवासीझिरसरी तहसील भैयाथान जिला-सूरजपुर (छग.) का निर्माकित शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मैं उपरोक्त पते का निवासी हूँ, तथा मेरे नाम से आधार कार्ड क्रमांक 2469-1951-5023 बना है, जिसमें मेरा नाम ऐश्वर्य कुशवाहा (ESHVRY KUSHWAHA) एवं मेरे पिता का नाम शत्रुहन (SATRUHAN) तथा जन्मतिथि-08/06/2005 अंकित है। जो त्रुटिपूर्ण है। मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मेरे काश 10 वीं के अंक्सूची क्रमांक-22077758 में मेरा नाम ऐश्वर्य कुशवाहा (AISHWARY KUSHWAHA) एवं मेरे पिता का नाम शत्रुहन कुशवाहा (SHATRUHAN KUSHWAHA) तथा जन्मतिथि-13.06.2007 अंकित है, जो सत्य व सही है। मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मेरे आधार कार्ड में अंकित त्रुटिपूर्ण नाम एवं पिता का नाम व जन्मतिथि को विलोपित करकर, अपने अंक्सूची में अंकित वास्तविक नाम एवं पिता का नाम व जन्मतिथि के आधार पर अपने आधार कार्ड में नाम व पिता का नाम तथा जन्मतिथि का सुधार कराना चाहता हूँ, जिसके संबंध में शपथ पत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ।

भारत के लिए वैश्विक जहाज निर्माण उद्योग में जगह बन रही है
एजेसी ►► कोलकाता
रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत की जहाज निर्माण क्षमता को वैश्विक स्तर पर विस्तार देने की संभावना जताई है। कोलकाता में उन्होंने एश्व क्षेत्र से जुड़ी पांच विस्तार योजनाओं की आधारशिला रखी, जिन पर करीब 3,500 करोड़ रुपए खर्च होने हैं। इनमें तीन परियोजनाएं जीआरएसई और दो यंत्र इंडिया लिमिटेड की हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि भारत वैश्विक जहाज निर्माण केंद्र बनने में सक्षम है। उन्होंने कोलकाता से गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) और यंत्र इंडिया लिमिटेड की पांच विस्तार परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इस मौके पर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी भी मौजूद रहे। राजनाथ सिंह ने कहा कि पश्चिम बंगाल में करीब 3,500 करोड़ की लागत वाली पांच परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई है। उन्होंने कहा, भारत वैश्विक जहाज निर्माण केंद्र बनने में सक्षम है। वैश्विक जहाज निर्माण उद्योग में एक खाली जगह बन रही है और भारत इस अवसर का लाभ उठा सकता है। इन परियोजनाओं में जीआरएसई की तीन और यंत्र इंडिया की दो परियोजनाएं शामिल हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार विकास के नए पुनर्जागरण की शुरुआत के लिए कदम उठाएगी। कारखानों के बंद होने और तालाबंदी की खबरों की जगह अब नई परियोजनाओं ने ले ली है।

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छग०)
रा.प्र.क.ब./121 वर्ष
ग्राम-भैयाथान प.ह.न. 13
ईश्वरहार
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक निर्मला नाविक पति स्व. रामेश्वर जाति केवट निवासी ग्राम भैयाथान. प.ह.न. 13 रा.नि.म. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के
पुत्री स्नेहा नाविक का जन्म दिनांक 08/09/2009 को ग्राम भैयाथान में हुई है। अनातावांश जन्म पंजीकरण नहीं करा पाया है। आवेदक अपने पुत्री स्नेहा नाविक का जन्म पंजीवन हेतु ग्राम पंचायत भैयाथान को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचारणीय है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 07/09/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 20/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

न्यायालय: तहसीलदार भटगांव जिला सूरजपुर (छग०)
ईश्वरहार
2025-26
ग्राम भटगांव प.ह.नं. 32
श्याम कुमार मानिकपुरी प्रति छग० शासन आम जनता ग्राम भटगांव को सूचित किया जाता है आवेदक श्याम कुमार मानिकपुरी आ० पारस राम उम्र लगभग 24 वर्ष निवासी मकान नंबर 961 भटगांव तहसील भटगांव जिला सूरजपुर छग० द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर उल्लेखित किया गया है कि आवेदक के पिता पारस राम एस.ई.सी.एल. भटगांव में कार्यरत थे जिसकी सेवाकाल में दिनांक 12.12. 2017 को मृत्यु होना बताया गया है।स्व. पारस राम के एस.ई.सी.एल. के सर्विस रिकार्ड में आश्रित में आवेदक का नाम श्याम अंकित है जो त्रुटिपूर्ण होना बताया है जबकि आधार कार्ड शैक्षणिक दस्तावेज में आवेदक का नाम श्याम कुमार मानिकपुरी अंकित है। आवेदक के पिता का सर्विस रिकार्ड में आवेदक का नाम भिन होने के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आवेदक द्वारा श्याम एवं श्याम कुमार मानिकपुरी दोनों एक ही व्यक्ति का नाम होने के संबंध में प्रमाण पत्र हेतु निवेदन किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा हितबद्ध पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 24/08/2026 तक स्वयं या अपने अधिभाषक के माध्यम से मेरे न्यायालय में आपत्ति आवेदन प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 10/08/2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।
तहसीलदार भटगांव जिला सूरजपुर

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 15 जनवरी 2026
प्रारूप (एक)
समाचार पत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना
मैं हस्पर तिगा पुराना नाम, जिसे बदला जाता है) सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी अनिल तिगा गाँव / शहर सुरेशपुर तहसील-पलथगाँव, जिला- जशपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम-हस्पर तिगा (पुराना नाम) से बदल कर ईश्वर तिगा (नया नाम) रख लिया है। नाबालिग पुत्री/पुत्र के नाम
परिवर्तन के मामले में (अभिभावक /पालक द्वारा प्रमाणित) में अनिल तिगा (माता/पिता/पालक का नाम) सुपुत्र / सुपुत्री बिन्दा तिगा. गाँव/शहर सुरेशपुर तहसील-पलथगाँव, जिला जशपुर छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र/सुपुत्री का नाम हस्पर तिगा (पुराना नाम) से बदल कर ईश्वर तिगा (नया नाम) रख लिया है। अनिल तिगा

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छग०
रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26
ईश्वरहार
कुमार एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण श्रीमती मंजू सोनी पत्नी लड्डू प्रसाद सोनी, उम्र 48 वर्ष, संतोष कुमार सोनी आ० लड्डू प्रसाद सोनी, उम्र-25 वर्ष, दोनों जाति- सोनार निवासी रिंगरोड चांदनी चौक लाल बहादुर शास्त्री वाई अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छग०) के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदकगण के द्वारा अनावेदकगण अशोक कु 7 मार अग्रवाल आ० जयभगवान अग्रवाल, मो० सलीम जावेद आ० अब्दुल सत्तार दोनों निवासी अम्बिकापुर के संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अ०पुर, शीट नं. 06 मोहल्ला बौरापारा स्थित नजूल भूमि प्लॉट नंबर 2173/5 रकबा 0.12 एकड़ नं से रकबा 0.06 1/2 एकड़ भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 19.03.2026 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर आवेदकगण द्वारा क्रयशुदा भूमि का नामांतरण स्वयं के नाम से किये जाने हेतु पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अर्न्तगत धारा 109, 110 छग. भू-राजस्व सहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-08/09/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक-24/08/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।
नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

19 इलाकों में एयर डिफेंस सक्रिय
एजेसी ►► मॉस्को
रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि उसकी वायु रक्षा प्रणालियों ने 12 घंटों के भीतर यूक्रेन के 250 ड्रोन को नष्ट कर दिया। मंत्रालय के अनुसार, शनिवार सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे (मॉस्को समय) के बीच रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने मॉस्को समेत 19 इलाकों में 250 यूक्रेनी फिक्सड-विंग ड्रोन मार गिराए। इसके अलावा, मॉस्को के मेयर सर्गेई सोव्यानिन ने बताया कि पिछले एक सप्ताह में मॉस्को क्षेत्र की ओर उड़ान भरने वाले ड्रोन को संख्या 2,600 से अधिक रही है। उन्होंने कहा कि इनमें से ज्यादातर ड्रोन शहर से दूर बाहरी इलाकों में ही वायु रक्षा प्रणालियों की ओर से निष्क्रिय कर दिए गए। मेयर के अनुसार, मॉस्को की ओर आते समय कुल 493 ड्रोन नष्ट किए गए। इससे पहले शुक्रवार को रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि रूसी सेना ने पिछले एक सप्ताह में 11 बस्तियों पर कब्जा किया और यूक्रेनी सेना के खिलाफ एक बड़े और नौ सामूहिक

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छग०
रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26
ईश्वरहार
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अतुल सिंघल आ० ईश्वरचंद्र सिंघल, जाति- अग्रवाल निवासी सुभाष वाई थाना रोड पंचदेव मंदिर के पास मायापुर अम्बिकापुर जिला सरगुजा के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक के द्वारा अनावेदक कृष्णानंद सिंह आ.स्व. आर०बी० सिंह, जाति क्षत्रिय, निवासी केदारपुर अम्बिकापुर, जिला सरगुजा के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अ०पुर, शीट नं. 09 मोहल्ला बाबूपारा स्थित नजूल भूमि प्लॉट नंबर 3467/4866/166 में से रकबा 119 वर्गमी० भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 04.08.2022 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर आवेदक द्वारा क्रयशुदा भूमि का नामांतरण स्वयं के नाम से किये जाने हेतु पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अर्न्तगत धारा 1,09, 110 छग. भू-राजस्व सहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-07/09/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक-21/08/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।
नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छग०
रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26
ईश्वरहार
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक लड्डू प्रसाद सोनी आ.स्व. जगनन्या सोनी, उम्र 53 वर्ष, जाति सोनार निवासी रिंगरोड चांदनी चौक लाल बहादुर शास्त्री वाई अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छग०) के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक के द्वारा अनावेदकगण मो० सलीम जावेद आ० अब्दुल सत्तार, अशोक कुमार अग्रवाल आ० जयभगवान अग्रवाल, दोनों निवासी अम्बिकापुर द्वारा मुख्तार आम अनु० कुमार सोनी आ० जनक प्रसाद के संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अ०पुर, शीट नं. 06 मोहल्ला बौरापारा स्थित नजूल भूमि प्लॉट नंबर 2173/5 रकबा 0.12 एकड़ में से रकबा 0.05 1/2 एकड़ भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 05.06.2026 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर आवेदक द्वारा क्रयशुदा भूमि का नामांतरण स्वयं के नाम से किये जाने हेतु पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अर्न्तगत धारा 109, 110 छग. भू-राजस्व सहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-08/09/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं।नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक-24/08/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।
नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छग०)
रा०प्र०क्र०-/ब-121/2025-26
ईश्वरहार
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक गौरचन्द्र गुहा आ० धनंजय गुहा निवासी सुभाषनगर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छग० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम सुभाषनगर स्थित भूमि खसरा नंबर 22/2 रकबा 1.000 हे० मेसे 20 डिसेमिल भूमि को अनावेदक राकेश कुमार राय आ०विष्णु राय निवासी भगवानपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छग० के पास अंकन राशि रुपए 20,80,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनाथ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 07.09.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अधिष्ठाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक: 11/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी
तहसीलदार अम्बिकापुर

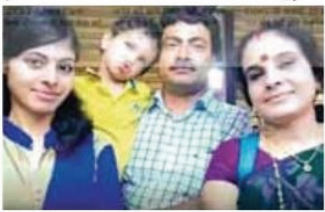
न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्वरहार
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती शशिकला अग्रवाल आ०/पति ज्ञानेश्वर अग्रवाल जाति अग्रवाल, निवासी वाई नं० 38 अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला अग्रसेन वाई, शीट नम्बर-8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2757/3, 2758 रकबा 654,869 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 02.09.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक:- 17.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।
नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

कार्यपालक दण्डाधिकारी भैयाथान जिला -सूरजपुर (छग०)
न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छग०
रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26
ईश्वरहार
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक लड्डू प्रसाद सोनी आ.स्व. जगनन्या सोनी, उम्र 53 वर्ष, जाति सोनार निवासी रिंगरोड चांदनी चौक लाल बहादुर शास्त्री वाई अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छग०) के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक के द्वारा अनावेदकगण श्रवण कुमार, सुनील कुमार जायसवाल आ० छविचन्द्र प्रसाद जायसवाल, दोनों निवासी डांडगांव था०तह० उदयपुर, जिला सरगुजा (छग०) द्वारा मुख्तार आम अनु० कुमार सोनी आ० जनक प्रसाद, नि० अ०पुर के संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अ०पुर, शीट नं. 06 मोहल्ला बौरापारा स्थित नजूल भूमि प्लॉट नंबर 2173/4 रकबा 0.04 1/2 एकड़ में से रकबा 0.02 एकड़ भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 05.06.2026 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर आवेदक द्वारा क्रयशुदा भूमि का नामांतरण स्वयं के नाम से किये जाने हेतु पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अर्न्तगत धारा 109, 110 छग. भू-राजस्व सहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-08/09/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक-24/08/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।
नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

बांग्लादेश में हिंदू परिवार की संदिग्ध मौत मां-बेटी सीढ़ियों पर, पिता छत और बेटे का शव बिस्तर के नीचे मिला पुलिस के हाथ खाली, न सुराग और न कोई सबूत

एजेसी ►► ढाका

बांग्लादेश के रंगपुर शहर में एक हिंदू परिवार के चार सदस्य सेवानिवृत्त शिक्षक गणपति चक्रवर्ती, उनकी पत्नी प्रीतिलता, बेटी अगामी और 12 वर्षीय बेटा प्रियम शनिवार रात अपने बंद घर में मृत मिले। परिजनों के अनुसार, गुरुवार रात से चारों के मोबाइल फोन बंद थे। पुलिस ने ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया, जहां शव अलग-अलग स्थानों पर मिले। मामले की जांच पुलिस, सीआईडी और डिटेक्टिव ब्रांच कर रही है। फिलहाल मौत की वजह, समय और घटना के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं है। शहर के दशपाड़ा (मच्छुआपाड़ा) इलाके में स्थित एक मकान से शनिवार रात करीब 11:30 बजे चारों के शव बरामद किए गए। रंगपुर मेट्रोपॉलिटन कोतवाली थाने के प्रभारी अधिकारी (ओसी) नाजमुल कादर ने बताया कि मकान अंदर से नहीं, बल्कि बाहर से बंद था और पुलिस ने ताला तोड़कर अंदर प्रवेश करने के बाद शव बरामद किए। यह जानकारी द डेली स्टार की एक रिपोर्ट के हवाले से सामने आई है। मृतकों की पहचान



रंगपुर जिला स्कूल के सेवानिवृत्त शिक्षक गणपति चक्रवर्ती (65), उनकी पत्नी प्रीतिलता चक्रवर्ती (50), बेटी अगामी चक्रवर्ती प्रार्थी (23) और 12 वर्षीय बेटे प्रियम चक्रवर्ती के रूप में हुई है। रंगपुर मेट्रोपॉलिटन सीआईडी के प्रभारी सुबीर चौधरी ने बताया कि घर के अंदर चारों शव अलग-अलग स्थानों पर मिले। उनके मुताबिक, मां और बेटी के शव सीढ़ियों के पास से बरामद किए गए, जबकि गणपति चक्रवर्ती का शव छत पर मिला। सुबीर चौधरी के अनुसार, 12 वर्षीय प्रियम चक्रवर्ती का शव एक बिस्तर के नीचे मिला। उन्होंने कहा, हम मामले की जांच कर रहे हैं। जांच से यह पता चलेगा कि इन मौतों के लिए कौन जिम्मेदार है।

यूएस में कारोबारी के बाद अब भारतीय युवक की हत्या

न्यूयॉर्क। अमेरिका में भारतीयों के खिलाफ हिंसक घटनाओं के बीच न्यूयॉर्क शहर में पिजा डिलीवरी का काम करने वाले 27 वर्षीय पंजाबी युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान पंजाब के रहने वाले गुरदीप सिंह के रूप में हुई है। घटना के बाद पंजाब स्थित उनके परिवार में मातम पसरा है। परिवार ने गुरदीप का शव भारत लाने और हमलावर की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस के अनुसार, यह घटना शुक्रवार रात करीब 9-58 बजे बुकलिन

इलाके में हुई। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग (एनवाईडीपी) को 899 क्रिसेंट स्ट्रीट के पास एक व्यक्ति के कई गोलियां लगने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने गुरदीप सिंह को घायल अवस्था में पाया। आपातकालीन चिकित्सा सेवा की मदद से गुरदीप को वन बुकलिन हेल्थ-बुक डेल हॉस्पिटल मेडिकल सेंटर ले जाया गया। हालांकि, डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके और इलाज के दौरान उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

अमेरिका-कनाडा व्यापार वार्ता टूटी 50% टैरिफ से बढ़ी महंगाई और अनिश्चितता की आशंका

एजेसी ►► ओटावा

कनाडा के साथ व्यापार वार्ता फिफल होने के बाद अमेरिका द्वारा लागू किए गए 50 प्रतिशत नए टैरिफ से दोनों देशों के बीच व्यापार तनाव बढ़ गया है।



कनाडाई उत्पादों पर शनिवार से लागू हुए इस शुल्क के जवाब में भी समान स्तर के जवाबी टैरिफ लगाने की घोषणा की है। रिपब्लिकन सीनेटर सुसान कॉलिन्स ने चेतावनी दी कि इन

शुल्कों से मेन राज्य के कारोबारियों और आम परिवारों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा और सीमा पर व्यापार प्रभावित होगा। उन्होंने दोनों देशों से तत्काल वार्ता शुरू करने की अपील की। डेमोक्रेटिक सीनेटर पीटर वेल्च ने इसे उत्तरी अमेरिकी राज्यों के हितों और व्यापारियों के लिए बड़ा झटका बताते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से इस टकराव को समाप्त करने का आग्रह किया। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नो ने स्पष्ट किया कि वाशिंगटन की ओर से अनुचित और एकरतर्फा नई शर्तें रखी गई थीं, जिससे व्यापार वार्ता रोकनी पड़ी।

पुलिस अधीक्षक चित्रकूट की अध्यक्षता में अपराध समीक्षा गोष्ठी का आयोजन

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक चित्रकूट अरण कुमार सिंह की अध्यक्षता एवं अपर पुलिस अधीक्षक चित्रकूट पीयूषकांत राय की उपस्थिति में पुलिस कार्यालय स्थित राघव प्रेक्षागार में अपराध समीक्षा गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी के प्रारम्भ में सैनिक सम्मेलन आयोजित कर अधिकारी/कर्मचारीगण की समस्याओं एवं सुझावों की जानकारी ली गई

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26

ईश्वरहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक लड्डू प्रसाद सोनी आ.स्व. जगनन्या सोनी, उम्र 53 वर्ष, जाति सोनार निवासी रिंगरोड चांदनी चौक लाल बहादुर शास्त्री वाई अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छग०) के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक के द्वारा अनावेदकगण श्रवण कुमार, सुनील कुमार जायसवाल आ० छविचन्द्र प्रसाद जायसवाल, दोनों निवासी डांडगांव था०तह० उदयपुर, जिला सरगुजा (छग०) द्वारा मुख्तार आम अनु० कुमार सोनी आ० जनक प्रसाद, नि० अ०पुर के संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अ०पुर, शीट नं. 06 मोहल्ला बौरापारा स्थित नजूल भूमि प्लॉट नंबर 2173/4 रकबा 0.04 1/2 एकड़ में से रकबा 0.02 एकड़ भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 05.06.2026 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर आवेदक द्वारा क्रयशुदा भूमि का नामांतरण स्वयं के नाम से किये जाने हेतु पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अर्न्तगत धारा 109, 110 छग. भू-राजस्व सहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-08/09/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक-24/08/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

मुख्यमंत्री ने किया ‘जशपुर: एक परिचय’ पुस्तक का विमोचन

जशपुर की विशिष्ट पहचान और विकास की संभावनाओं को देश-दुनिया के सामने लाने में उपयोगी सिद्ध होगा प्रकाशन: मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भारतीय लोक प्रशासन संस्थान दिल्ली के द्वारा प्रकाशित पुस्तक **हजशपुर** : एक परिचयक का विमोचन किया। यह पुस्तक जशपुर जिले के इतिहास, प्रशासनिक विकास, सुशासन की व्यवस्थाओं, सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन, जनजातीय संस्कृति, प्राकृतिक संपदा और विकास की संभावनाओं पर केंद्रित एक व्यापक अध्ययन है। पुस्तक में आजादी के बाद से जशपुर की प्रशासनिक व्यवस्था में आए बदलावों के साथ वर्तमान प्रशासनिक संस्थाओं और

कार्यप्रणाली का अध्ययन किया गया है। इस अवसर पर भारतीय लोक प्रशासन संस्थान की छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय शाखा रायपुर के चेयरमैन भूतपूर्व मुख्य सचिव सुयोग्य कुमार मिश्रा, वाइस चेयरमैन भूतपूर्व अपर मुख्य सचिव डॉ. इंदिरा मिश्रा तथा वाइस चेयरमैन भूतपूर्व मुख्य सचिव तथा वर्तमान में छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह उपस्थित थे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस महत्वपूर्ण प्रकाशन के लिए भारतीय लोक प्रशासन संस्थान की छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय शाखा को बधाई देते हुए कहा कि जशपुर छत्तीसगढ़ के उन विशिष्ट अंचलों में है, जहां प्रकृति,

संस्कृति और परंपराओं की समृद्ध विरासत के साथ विकास की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। जशपुर की पहचान उसके सुंदर पहाड़ों, घाटियों, नदियों, जलप्रपातों और घने वनों से तो है ही, यहां की समृद्ध जनजातीय संस्कृति और परंपराएं इसे विशिष्ट बनाती हैं। उन्होंने कहा कि जशपुर की इन विशेषताओं के साथ जिले की विकास यात्रा और प्रशासनिक अनुभवों को एक पुस्तक के रूप में समेटना सराहनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र की विकास यात्रा को समझने के लिए वहां के इतिहास, समाज, संस्कृति, प्राकृतिक संसाधनों और प्रशासनिक व्यवस्थाओं का समग्र



अध्ययन आवश्यक है। हजशपुर : एक परिचयक इसी दृष्टि से एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। यह पुस्तक केवल जशपुर की वर्तमान तस्वीर प्रस्तुत नहीं करती, बल्कि समय के साथ जिले की प्रशासनिक

औद्योगिक क्षेत्रों से अलग है। छोटानागपुर पठार के विस्तारित भू-भाग का हिस्सा होने के कारण यहां की भौगोलिक संरचना, जलवायु, वन संपदा और आजीविका के स्वरूप की अपनी विशिष्टताएं हैं। पीढ़ियों से यहां निवासरत जनजातीय समुदायों ने अपनी परंपराओं, जीवन-पद्धति और प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व की संस्कृति को संरक्षित रखा है। यही विविधता जशपुर को अध्ययन और विकास, दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण बनाती है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बीते वर्षों में जशपुर ने अधोसंरचना, सामीप विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार, रोजगार और आजीविका के अवसरों का विस्तार करते हुए

प्रशासनिक सुधारों के क्षेत्र में निरंतर प्रगति की है। विकास की इस यात्रा में यह आवश्यक है कि स्थानीय विशेषताओं और जरूरतों को केंद्र में रखकर भविष्य की योजनाएं तैयार की जाएं। इस प्रकार के अध्ययन प्रशासन को क्षेत्र की वास्तविक परिस्थितियों को गहराई से समझने और विकास की भावी प्राथमिकताएं तय करने में उपयोगी आधार प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य अंतिम व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, संचार, रोजगार और आजीविका के अवसरों का विस्तार करते हुए

स्थानीय संस्कृति और प्राकृतिक संपदा का संरक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। जशपुर में विकास और प्रकृति के बीच संतुलन की बड़ी संभावनाएं हैं। कृषि, वनोपज, पर्यटन, स्थानीय उत्पादों और महिला तथा युवा उद्यमिता को बढ़ावा देकर जिले की अर्थव्यवस्था को और सशक्त बनाया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जशपुर प्राकृतिक पर्यटन की दृष्टि से छत्तीसगढ़ के सबसे समृद्ध अंचलों में से एक है। यहां के पहाड़, वन, नदियां, जलप्रपात और सुरम्य घाटियां पर्यटकों को आकर्षित करने की अपार क्षमता रखती हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जशपुर प्राकृतिक पर्यटन की दृष्टि से छत्तीसगढ़ के सबसे समृद्ध अंचलों में से एक है। यहां के पहाड़, वन, नदियां, जलप्रपात और सुरम्य घाटियां पर्यटकों को आकर्षित करने की अपार क्षमता रखती हैं।

उपमुख्यमंत्री साव ने विकास कार्यों और योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने मुंगेली जिले के विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर विकास कार्यों और योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सभी विकास कार्यों को निर्धारित समयावधि के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने लंबे समय से लांबित कार्यों को प्राथमिकता के साथ जल्दी पूरा करने को कहा। उपमुख्यमंत्री साव ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्ध प्रगति को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अधिकारियों से कहा कि इसमें किसी भी प्रकार



की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कार्यों में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों एवं संबंधित एजेंसियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में शासन की प्राथमिकता के अनुरूप विकास कार्यों की गति देते हुए उनका लाभ नागरिकों तक समय पर पहुंचाना सुनिश्चित करने

के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को विकास कार्यों की निरंतर समीक्षा एवं स्थल निरीक्षण करते हुए प्रगति पर कड़ी नजर रखने को कहा। उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही और कार्यों की धीमी प्रगति पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई की बात कही।

सड़क हादसे में घायल जवानों से मिले वन मंत्री

अस्पताल पहुंचकर जाना हाल और दिए बेहतर इलाज के निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जगदलपुर। वन मंत्री केदार कश्यप ने डिमरापाल स्थित कॉन्टिनेंटल अस्पताल पहुंचकर सड़क दुर्घटना में घायल जवानों का हालचाल जाना और उनके उपचार की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने घायल जवानों के परिजनों से भी आत्मीय बातचीत कर उन्हें ढाढ़स बंधाया और सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का पूरा भरोसा दिलाया। अस्पताल में डॉक्टरों से चर्चा के बाद मंत्री ने बताया कि सभी जवान सुरक्षित हैं और उनका समुचित इलाज जारी है। उन्होंने स्वर्गीय बलिराम कश्यप मेमोरियल मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल के अधीक्षक डॉ.



अनुरूप साहू एवं कॉन्टिनेंटल अस्पताल के सहायक महाप्रबंधक डॉ. संतोष कुमार सिंह से जवानों की रिकवरी और उपचार योजना पर विस्तार से विमर्श करते हुए बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ज्ञात हो कि 23 अगस्त को जब वन मंत्री श्री केदार कश्यप ग्राम फरसागुड़ा (भानपुरी) से कोडगांव में

आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान भानपुरी थाना क्षेत्र में कोडगांव की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने पायलट वाहन को पार करते हुए मंत्री की गाड़ी के साइड मिरर को छू लिया और फिर स्पेयर वाहन से टकराते हुए काफिले के फॉलो वाहन से जा भिड़ी। इस जोरदार टक्कर में फॉलो वाहन के चालक और

उसमें सवार पुलिस जवान घायल हो गए थे। हादसे के तुरंत बाद मंत्री कश्यप ने सेवेदनशीलता और तत्परता दिखाते हुए घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया तथा गंभीर रूप से घायल जवानों को उच्चस्तरीय उपचार के लिए जगदलपुर रेफर कराया, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में उनका निरंतर इलाज चल रहा है।

खेलों इंडिया तीरंदाजी सेंटर के खिलाड़ियों को उपमुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री ने कीट वितरण कर बधाई दी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

शहीद राजीव गांधी अर्वाडो खिलाड़ी लक्की यादव से मिले उपमुख्यमंत्री मंत्री एवं खेल मंत्री

महासमुंद्र। उपमुख्यमंत्री एवं खेल एवं युवा कल्याण मंत्री छत्तीसगढ़ शासन अरुण साव के शनिवार को महासमुद्र प्रवास के दौरान कलेक्टर कार्यालय में अध्यक्ष जिला पैरा स्पोर्ट्स संघ महासमुंद्र निरंजन साहू एवं जिला पैरा स्पोर्ट्स खिलाड़ी लक्की यादव राजीव पाण्डे अर्वाडो वर्ष 2025-26 राज्य खेल अलंकरण हेतु

चयनित होने पर उप मुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री अरुण साव ने लक्की यादव को बधाई देते हुए सम्मानित किया। अध्यक्ष, जिला पैरा स्पोर्ट्स संघ द्वारा दिव्यांग पैरा खिलाड़ियों के खेल गतिविधियों में विकास लाने हेतु दिव्यांग एवं सामान्य खिलाड़ियों के खेल के प्रति राष्ट्रीय भाव उत्पन्न करने हेतु समावेशी खेल एकेडमी (आवासीय एवं गैर आवासीय) संचालन के संबंध में मांग पत्र माननीय मंत्री जी को सौंपा गया, जिसमें खिलाड़ियों का निरंतर अभ्यास, पोषण, आहार व्यवस्था तथा तकनीकी प्रशिक्षण हेतु



आवश्यक सुझाव रखा गया। इस अवसर पर मंत्री साव के द्वारा प्रत्यक्ष रूप से मांग पत्र पूरी करने हेतु आश्वासन दिया गया। उप मुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री अरुण साव द्वारा खेल एवं युवा कल्याण

महासमुंद्र द्वारा संचालित खेलों इंडिया तीरंदाजी सेंटर एकलव्य आवासीय विद्यालय भोरिंग के खिलाड़ियों से मुलाकात व परिचय प्राप्त कर खेल कीट का वितरण कर बधाई एवं आगामी भविष्य के

लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कलेक्टर विनय कुमार लोहेह, अपर कलेक्टर रवि साहू, खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण मनोज धृतलहरे, अन्य जिला अधिकारी, प्राचार्य एकलव्य भोरिंग महेंद्र टंडन, एन आई एस तीरंदाजी प्रशिक्षक एवन कुमार साहू, व्यायाम शिक्षक एकलव्य भोरिंग नीलम साहू एवं खेलों इंडिया तीरंदाजी सेंटर के खिलाड़ी उपस्थित रहे। वर्तमान में 60 खिलाड़ी तीरंदाजी अभ्यास करने खेलों इंडिया तीरंदाजी सेंटर एकलव्य भोरिंग में पहुंच रहे हैं।

31 आईपीएस अफसरों के तबादले, कई को मिला अतिरिक्त प्रभार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के गृह (पुलिस) विभाग ने सोमवार को बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए भारतीय पुलिस सेवा के 31 वरिष्ठ अधिकारियों के तबादले और नई पदस्थापना के आदेश जारी किए हैं। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। आदेश गृह विभाग के सचिव हिम शिखर गुप्ता के हस्ताक्षर से जारी हुआ है।

प्रमुख अधिकारियों की नई जिम्मेदारियां -

पवन देव (1992 बैच): अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (छ.ग. पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन) से महानिदेशक (नगरसेना एवं नागरिक सुरक्षा तथा अग्निशमन सेवाएं)।

गुरजिंदर पाल सिंह (1994 बैच): पुलिस मुख्यालय में पदस्थ महानिदेशक से महानिदेशक (प्रशिक्षण एवं राज्य पुलिस अकादमी)।

एस.आर.पी. कल्लूरी (1994 बैच): अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (प्रशासन एवं चयन) से प्रबंध संचालक (छ.ग. पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन)।

प्रदीप गुप्ता (1995 बैच): अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (प्रशासन एवं चयन) के साथ संचालक (अभियोजन) का अतिरिक्त प्रभार।

विवेकानंद (1996 बैच): वर्तमान दायित्वों (नक्सल ऑपरेशंस/एसआईबी/एसटीएफ) के साथ अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (वित्त, योजना एवं प्रबंध) का अतिरिक्त प्रभार।

दीपांशु विजय काबरा (1997 बैच): वर्तमान दायित्वों के साथ अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (रेल एवं यातायात)।

अमित कुमार (1998 बैच): वर्तमान कार्य (गुप्तवार्ता) के साथ अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स) का अतिरिक्त प्रभार।

अन्य महत्वपूर्ण पदस्थापनाएं -

डॉ. आनंद छाबड़ा (2001 बैच) - एडीजी (तकनीकी सेवाएं, डायल 112 एवं दूरसंचार)

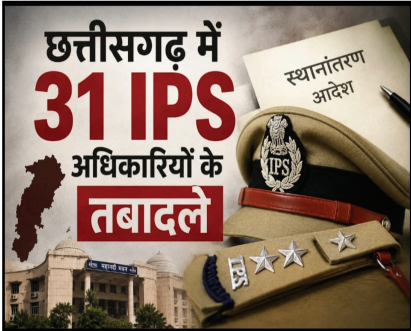
ओमप्रकाश पॉल (2003 बैच) - आईजी (कानून व्यवस्था/सुरक्षा)

अंकित कुमार गर्ग (2004 बैच) - आईजी (एटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स एवं एसआईए)

ध्रुव गुप्ता (2005 बैच) - आईजी (सीआईडी, सीसीटीएनएस और एससीआरबी)

बालाजीराव सोमावार (2007 बैच) - आईजी (अज्ञात)

प्रशांत कुमार अग्रवाल (2008 बैच) - आईजी



(एस4सी एवं तकनीकी सेवाएं)

मिलना कुरें (2008 बैच) - आईजी (छसबल) पारूल माथुर (2008 बैच) - डीआईजी (एटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स)

मनीष शर्मा (2009 बैच) - डीआईजी (प्रशासन एवं चयन)

अभिषेक मीणा (2010 बैच) - डीआईजी (छसबल, बस्तर)

सदानंद कुमार (2010 बैच) - डीआईजी (छसबल, पुलिस मुख्यालय)

गिरिजा शंकर जायसवाल (2010 बैच) - डीआईजी (एस4सी एवं तकनीकी सेवाएं)

एम.एल. कोटवानी (2010 बैच) - डीआईजी (गुप्तवार्ता, विशेष शाखा)

प्रशांत कुमार ठाकुर (2011 बैच) - डीआईजी (सीसीटीएनएस एवं एससीआरबी)

अजातशत्रु बहादुर सिंह (2011 बैच) - डीआईजी (नगर सेना, राज्य आपदा प्रबंधन बल एवं निदेशक अग्निशमन सेवाएं)

विवेक शुक्ला (2012 बैच) - डीआईजी (सुरक्षा)

राजेश कुकरेजा (2012 बैच) - डीआईजी (वित्त, योजना एवं प्रबंध)

श्वेता राजमणी (2012 बैच) - डीआईजी (दूरसंचार एवं डायल 112)

रामकृष्ण साहू (2012 बैच) - डीआईजी (सीआईडी)

मोहित गर्ग (2013 बैच) - एआईजी (प्रशासन एवं चयन)

रवि कुमार कुरें (2014 बैच) - एआईजी (सीआईडी)

यदुवली अक्षय कुमार (2018 बैच) - एआईजी (सीसीटीएनएस एवं संयुक्त परिवहन आयुक्त सड़क सुरक्षा)

चिराग जैन (2020 बैच) - सेनानी (18वीं बटालियन, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी)

अंजली विश्वकर्मा (2021 बैच) - एआईजी (यातायात)

जिले में सुरक्षा व्यवस्था की बेहतरी हेतु समन्वय के साथ कार्य करें विभाग : कलेक्टर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर। सड़क सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था के संबंध में सोमवार को कलेक्टर श्रीमती रेना जमील एवं पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने बैठक लेकर जिले की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक

हेलमेट नहीं, तो पेट्रोल नहीं देने के निर्देश

में आगामी मिलाद-उन-नबी एवं रक्षाबंधन पर्व को देखते हुए जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही जिले में सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर करने की दिशा में सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने को कहा गया। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, जगन्नाथ वर्मा, एसडीओपी अभिषेक पैकरा, सभी एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित

एसपी ने दिवंगत प्रधान आरक्षक के पुत्र को दी आरक्षक के पद अनुकम्पा नियुक्ति

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर।

पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल ने सोमवार को दिवंगत प्रधान आरक्षक के पुत्र विकास सिंह को आरक्षक के पद पर अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान किया है। उन्होंने बताया इनके दिवंगत पिता प्रधान आरक्षक मनोज सिंह जिले में पदस्थ थे। नौकरी के दौरान आकस्मिक मृत्यु होने पर आईजी सरगुजा रंज दीपक कुमार झा ने अनुकंपा नियुक्त के प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए अनुकंपा नियुक्ति संबंधी सभी कार्रवाई जल्द पूरी करते हुए नियुक्ति देने के निर्देश दिए थे। सोमवार को विकास सिंह को आरक्षक के पद पर अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान की गई है। इस दौरान नवनियुक्त आरक्षक की माँ बबिता सिंह व भाई आकाश सिंह उपस्थित रहे।

रहे कलेक्टर ने जिले में सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति को देखते हुए सड़क सुरक्षा के उपायों की समीक्षा की। उन्होंने दुर्घटना संभावित क्षेत्रों एवं ब्लैक स्पॉट



को चिन्हित कर आवश्यकतानुसार रैंबल स्ट्रिप, सड़क संकेतक, साइन एंजेंस एवं पर्याप्त लाइटिंग की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इसमें नेशनल हाईवे सहित एक्सीडेंट प्रोन एरिया में सभी आवश्यक यातायात संकेतक लगाने तथा सड़कों की कमियों को दूर करने के निर्देश भी दिए गए। आरटीओ विभाग को ओवरलोडेड वाहनों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने तथा स्कूल

बसों एवं स्कूल बैन की जांच कर सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध भी कड़ी निर्देश दिए, जहां अक्सर मवेशी सड़क पर बैठते हैं। उन्होंने सुरक्षा उपायों के साथ मवेशियों को सड़क से हटाने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित

करने को कहा। बैठक में नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने के मामलों पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर ने सभी स्कूल प्रशासन को निर्देशित किया कि नाबालिगों के वाहन चलाने पर होने वाली कार्रवाई के संबंध में विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को स्पष्ट रूप से सूचित किया जाए। अभिभावकों से भी नाबालिगों को वाहन न देने के लिए जागरूक करने को कहा

28 से पूर्व वेतन भुगतान हेतु छ.ग. तृ. वर्ग शा. कर्मचारी संघ ने सौंपा ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर।

छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ की जिला इकाई ने जिले के शासकीय कर्मचारियों को 28 तारीख से पूर्व वेतन भुगतान करने की मांग का ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा गया।

सोपे ज्ञापन के माध्यम से संघ ने अवगत कराया है कि आगामी रक्षाबंधन पर्व 28 अगस्त को मनाया जाना है। इस अवसर पर शासकीय कर्मचारियों, विशेषकर महिला कर्मचारियों को पर्व से पूर्व आवश्यक सामग्री की

खरीदारी एवं अन्य तैयारियों के लिए आर्थिक आवश्यकता होती है। संघ के पदाधिकारियों ने मांग



की है कि जिले के समस्त आहरण एवं संचित अधिकारियों को निर्देशित कर सभी शासकीय कर्मचारियों का अगस्त माह का

गया। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने आगामी मिलाद-उन-नबी एवं रक्षाबंधन पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए कानून व्यवस्था की समीक्षा की। अधिकारियों को संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने, जुलूस एवं धार्मिक आयोजनों के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु रखने तथा आवश्यकतानुसार पुलिस बल की तैनाती करने के निर्देश दिये। बैठक में धरना-प्रदर्शन, रैली एवं अन्य सार्वजनिक आयोजनों के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों को ऐसे आयोजनों की पूर्व सूचना एवं अनुमति की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा संवेदनशील स्थानों पर सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से फैलने वाली भ्रामक अथवा अफवाहजनक सूचनाओं पर भी निगरानी रखने को कहा गया।

वेतन रक्षाबंधन पर्व से पूर्व भुगतान कराया जाए, ताकि कर्मचारी एवं उनके परिवार पर्व की तैयारियां समय पर कर सकें।

संघ ने जिला प्रशासन से कर्मचारियों को इस मांग पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया है। ज्ञापन के दौरान मनीष दीपक साहू जिलाध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ, महेश पैकरा महासचिव, अनुरजन सिंह देव, अमरनाथ चौबे एवं अन्य साथी उपस्थित थे।

पंप चोरी मामले में झूठी रिपोर्ट में फंसाने का आरोप

0 ग्रामीणों ने एसपी से की शिकायत 0 जांच और कार्रवाई की मांग की



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर।

जिले के ग्राम द्वारिकानगर एवं आसपास के गांवों में किसानों के पंप चोरी का मामला अब तूल पकड़ता नजर आ रहा है। मामले को लेकर ग्राम द्वारिकानगर एवं ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत सौंपकर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में कुछ लोगों पर पंप चोरी के मामले में झूठी रिपोर्ट दर्ज कराने, ग्रामीणों पर दबाव बनाने तथा वास्तविक आरोपियों को बचाने का प्रयास करने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। ग्रामीणों की शिकायत के अनुसार, गांव में किसानों के सिंचाई पंप सहित केबल, पीडीएस दुकान का सामान एवं अन्य सामग्री चोरी होने की घटनाएं सामने आई हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि पंप चोरी के मामले में कृष्णा पंडो उर्फ छोटन एवं अन्य लोगों की भूमिका को लेकर ग्रामीणों ने पुलिस को

जानकारी दी थी। इसके बाद कुछ संदिग्ध लोगों के नाम सामने आने के बावजूद मामले में अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि राहुल दुबे, हिरेन्द्र सिंह और अमित सिंह द्वारा कथित रूप से झूठी रिपोर्ट के माध्यम से पंप मालिक हाराधन एवं भूपेन्द्र राजवाड़े के खिलाफ दबाव बनाने और उन्हें फंसाने का प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के बजाय कुछ लोगों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने से वास्तविक स्थिति सामने नहीं आ पा रही है। ग्रामीणों ने शिकायत में यह भी उल्लेख किया है कि पुलिस को पूर्व में चोरी की घटना और उसमें शामिल लोगों के संबंध में जानकारी दी गई थी। इसके बावजूद कई आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया गया है। वहीं, चोरी के पंपों को बरामद कर वास्तविक मालिकों को वापस दिलाने की मांग भी की गई है।

शिकायत में ग्राम द्वारिकानगर एवं आसपास के क्षेत्रों के कई ग्रामीणों के पंप चोरी होने का उल्लेख किया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि चोरी की घटनाओं के कारण किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसके बावजूद मामलों में प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से चोरों के हौसले बढ़ रहे हैं। शिकायतकर्ताओं ने पुलिस के कुछ अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। शिकायत में पुलिस कर्मचारियों पर आरोपियों से मिलीभगत करने और मामले को प्रभावित करने का आरोप लगाया गया है। ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि राहुल दुबे, हिरेन्द्र सिंह एवं अमित सिंह द्वारा कथित रूप से दर्ज कराई गई रिपोर्ट की निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही पंप चोरी के मामले में शामिल सभी संदिग्धों की जांच कर चोरी गए पंप एवं अन्य सामान बरामद कराया जाए तथा दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाए।

सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों पर करें त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान : रेना जमील

समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने दिए कई महत्वपूर्ण निर्देश



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर।

सोमवार को कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय/सीमा की बैठक में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर प्राप्त आवेदनों के निराकरण की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने प्रकरणों के निपटारे की स्थिति के साथ-साथ समाधान की गुणवत्ता और नागरिकों से मिले फीडबैक की भी बारीकी से परखा।

कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि प्रकरण प्राप्त करने व बंद करने के बाद आवेदकों से संपर्क कर यह अवश्य जाँचें कि उन्हें वास्तव में राहत मिली है या नहीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि निपटारा महज औपचारिकता नहीं, बल्कि आवेदक की वास्तविक संतुष्टि की कसौटी पर खरा उतरना चाहिए। राजस्व सहित विभिन्न विभागों से जुड़े प्रकरणों पर चर्चा करते हुए कलेक्टर ने संबंधित मामलों,

नियत अवधि पार कर चुके आवेदनों तथा वर्तमान में सर्वाधिक दर्ज रहे ही शिकायतों का बिंदुवार विश्लेषण किया। उन्होंने संबंधित विभागों को ऐसे मामलों की जड़ तक पहुँचकर त्वरित एवं स्थायी हल निकालने के निर्देश दिए। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि पंप चोरी के मामले में कृष्णा पंडो उर्फ छोटन एवं अन्य लोगों की भूमिका को लेकर ग्रामीणों ने पुलिस को

नियत अवधि पार कर चुके आवेदनों तथा वर्तमान में सर्वाधिक दर्ज रहे ही शिकायतों का बिंदुवार विश्लेषण किया। उन्होंने संबंधित विभागों को ऐसे मामलों की जड़ तक पहुँचकर त्वरित एवं स्थायी हल निकालने के निर्देश दिए। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि पंप चोरी के मामले में कृष्णा पंडो उर्फ छोटन एवं अन्य लोगों की भूमिका को लेकर ग्रामीणों ने पुलिस को

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि घरों के आसपास अथवा छतों पर रखे कूलर, टायर और डिब्बों में पानी ठहरने न पाए तथा लावां नष्ट करने की कार्रवाई निरंतर चलती रहे। उन्होंने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की नालियों की नियमित सफाई तथा जलभराव वाले स्थानों पर कीटनाशक या मिट्टी का तेल डालने पर जोर दिया। साथ ही विद्यालयों और स्थानीय स्तर पर आमजन को इन रोगों के लक्षणों एवं बचाव के उपायों से

महुआ पेड़ में फांसी पर झूलता मिला युवक का शव, पास बैठी मिली महिला

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन चांदनी बिहारपुर।

ग्राम पंचायत करौटी ए के परसापारा में सोमवार दोपहर एक युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। युवक का शव महुआ के पेड़ पर फंदे से लटका हुआ मिला। दिनदहाड़े हुई इस घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

युवक का शव पेड़ पर लटक हुआ मिलने के बाद ग्रामीणों ने इसकी जानकारी ग्राम पंचायत के सरपंच को दी। इसके बाद सरपंच द्वारा पुलिस को घटना की सूचना दी गई। घटना को लेकर सबसे महत्वपूर्ण बात यह सामने आ रही है कि युवक के शव के पास ही एक महिला बैठी हुई

थी। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार महिला घटना के



संबंध में स्पष्ट रूप से कुछ नहीं बता रही थी। महिला कौन है, मृतक से उसका क्या संबंध है और वह घटना स्थल पर किस परिस्थिति में पहुंची, इसे लेकर फिलहाल स्थिति स्पष्ट नहीं है। महिला की मौजूदगी ने मामले को और गंभीर बना दिया है। पुलिस द्वारा घटना से जुड़े तथ्यों

का पता लगाया जा रहा है। ग्राम पंचायत करौटी ए के सरपंच गजमोचन सिंह के अनुसार, पुलिस द्वारा बताया गया है कि अभी तक मृतक के परिजनों की ओर से थाने में किसी प्रकार की रिपोर्ट या शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। पुलिस परिजनों के आने और शिकायत दर्ज होने का इंतजार कर रही है। चांदनी थाना प्रभारी राम प्रताप साहू ने बताया कि उन्हें भी घटना की जानकारी सरपंच के माध्यम से मिली है। अभी तक मृतक के परिजनों

रामानुजनगर में पहली बार सजा भव्य सावन श्रृंगार मेला, सोनम साहू बनीं सावन क्वीन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर।

सावन के पावन महीने की उमंग, पारंपरिक सौंदर्य और लोक संस्कृति को समर्पित ‘‘सावन श्रृंगार मेले’’ का भव्य आयोजन पहली बार रामानुजनगर स्थित होटल अन्नपूर्णा में संपन्न हुआ। इस गरिमामय कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने में श्रीमती नूतन सिंह तथा इसे अंतिम रूप देने में श्रीमती प्रतिमा द्विवेदी की सराहनीय भूमिका रही। मेले में क्षेत्र की सैकड़ों महिलाओं ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया और पारंपरिक वेशभूषा एवं साज-श्रृंगार के साथ अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान सावन सुंदरी, मेहंदी सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें प्रतिभागियों ने अपने हुनर से सभी का मन मोह लिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर ग्राम पंचायत नारायणपुर की श्रीमती सोनम साहू को सावन क्वीन के खिताब से नवाजा गया, जबकि रामानुजनगर की श्रीमती आरती साहू फर्स्ट रनर अप तथा सूरजपुर की श्रीमती चांदनी सेकंड रनर अप रही।

सावन क्वीन का खिताब जीतने के बाद श्रीमती सोनम साहू ने आयोजन को सार्थक बताते हुए कहा कि इस कार्यक्रम ने हमारी संस्कृति के अनुपम रंगों को एक मंच पर पिरोने का काम किया है और सभी महिलाओं ने सावन की पारंपरिक वेशभूषा तथा श्रृंगार के साथ पूरे आत्मविश्वास से बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मेले के दौरान महिलाओं ने पारंपरिक सावन गीतों, नृत्य, मेहंदी और रचनात्मक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई, जिससे पूरे परिसर में दिनभर उल्लास और उत्सव का वातावरण बना रहा। महिलाओं ने एक-दूसरे के साथ सावन की खुशियां साझा करते हुए आपसी मेल-जोल को बढ़ावा दिया, जिसे सामाजिक एकजुटता की दिशा में सकारात्मक पहल माना जा रहा है।



न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग.
रा०ग०क्र०/20(1)/2025-26

ईशतहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका गंगा राम आ०/पति स्व० परस राम अग्रवाल जाति अग्रवाल, निवासी अग्रसेन वार्ड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला अग्रस. न वार्ड, शीट नम्बर-8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट नम्बर 2757/1 रकबा 763 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 02.09.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 17.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग.
रा०ग०क्र०/20(1)/2025-26

ईशतहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती शशिकला अग्रवाल आ०/पति ज्ञानेश्वर अग्रवाल जाति अग्रवाल, निवासी वार्ड नं० 38 अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला अग्रसेन वार्ड, शीट नम्बर-8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट नम्बर 2757/3, 2758 रकबा 654, 869 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 02.09.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 17.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

नवनियुक्त जिला पंचायत सीईओ ने किया मलगवांखुर्द का आकस्मिक निरीक्षण

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर।

नवनियुक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सरगुजा रोमा श्रीवास्तव ने सोमवार को जनपद पंचायत अंबिकापुर अंतर्गत ग्राम पंचायत मलगवांखुर्द का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गांव में संचालित एवं निर्माणाधीन विभिन्न विकास कार्यों का मौके पर पहुंचकर जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों एवं मैदानी अमले को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत निर्माणाधीन आवासों के साथ वीबी जी राम जी योजना अंतर्गत निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवन एवं पीडीएस (उचित मूल्य दुकान) भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति, उपयोग की जा रही सामग्री तथा कार्य की

शासकीय प्राथमिक शाला परसाडांड के प्रधान पाठक निलंबित

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा शासकीय प्राथमिक शाला परसाडांड, विकासखंड बतौली के प्रधान पाठक मंगलेश्वर राम को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। यह कार्रवाई विद्यालय में अनधिकृत अनुपस्थिति, न्यून उपस्थिति तथा प्रधान पाठक के दायित्वों के अपेक्षित निर्वहन में प्रथमदृष्ट्या गंभीर शिथिलता एवं लापरवाही पाए जाने के आधार पर की गई है। जांच प्रतिवेदन के अनुसार मंगलेश्वर राम 13 अक्टूबर 2008 से उक्त विद्यालय में प्रधान पाठक के पद पर पदस्थ हैं। विद्यालय में उनकी नियमित उपस्थिति अत्यंत न्यून पाई गई। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में दर्ज 20 विद्यार्थियों में से केवल 13 विद्यार्थी उपस्थित मिले। जांच में विद्यालयीन उपस्थिति एवं कर्तव्य निर्वहन को लेकर गंभीर प्रश्न भी सामने आए। कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए जाने के बावजूद पुनः शिकायत प्राप्त होने तथा जांच में विद्यालयीन उपस्थिति एवं कर्तव्य निर्वहन के संबंध में प्रतिकूल तथ्य पाए जाने पर विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की गई। छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम 9(1)(क) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मंगलेश्वर राम को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उन्हें मुख्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी, मैनपाट, जिला-सरगुजा निर्धारित किया गया है। इस अवधि में वे सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगे तथा उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

लहपटरा टोल प्लाजा पर फास्टैग स्कैन में आधे घंटे तक इंतजार

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कलेक्टर और एनएच के अधिकारी को लिखा पत्र

छ.ग. फ्रंटलाइनअंबिकापुर। अंबिकापुर-बिलासपुर रोड पर हाल ही में शुरू हुए लहपटरा टोल प्लाजा की अव्यवस्था को लेकर लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने इस संबंध में कलेक्टर सरगुजा और राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के कार्यपालन अभियंता को पत्र लिखकर सुधार की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि टोल प्लाजा का सिस्टम तकनीकी खामियों के कारण फास्टैग को आसानी से स्कैन नहीं कर पा रहा है। कई बार स्कैनर को स्कैन करने में आधे घंटे तक का समय लग रहा है। एनएच के नियमानुसार यदि वाहन के फास्टैग वॉलेट में पर्याप्त एनएच की नियम प्रक्रियाओं से मुक्त है। तकनीकी खामि से यहां वाहन चालकों को न केवल लंबा इंतजार करना पड़ रहा है, टोल कर्मचारियों के दुर्व्यवहार का भी सामना करना पड़ रहा है।



गुणवत्ता का अवलोकन करते अनुरूप कार्य पूर्ण करने के हुए निर्धारित मापदंडों के निर्देश दिए।

कॉन्सेप्ट के अनुरूप बने आकर्षक आंगनबाड़ी भवन आंगनबाड़ी भवन के निरीक्षण के दौरान सुश्री रोमा श्रीवास्तव ने बिल्डिंग एज लॉनिंग ऐड कॉन्सेप्ट के अनुरूप भवन निर्माण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र केवल बच्चों के बैठने का स्थान न होकर उनके सीखने और विकास का अनुकूल वातावरण होना चाहिए। उन्होंने भवन में बच्चों की आयु एवं रुचि के अनुरूप शैक्षणिक एवं आकर्षक चित्रकारी, सीखने में सहायक आकृतियाँ तथा बाल-उपयोगी सुविधाओं को शामिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करते हुए भवन को आकर्षक, सुरक्षित एवं बच्चों के लिए उपयोगी बनाया जाए, ताकि आंगनबाड़ी केंद्र में आने वाले बच्चों को खेल-खेल में सीखने का अवसर मिल सके।

शेयर करेंसी में पैसा डबल करने का झांसा देकर 8.50 लाख की ठगी, बिहार से तीसरा आरोपी गिरफ्तार

छ.ग. फ्रंटलाइन

अंबिकापुर/प्रतापपुर।

शेयर करेंसी में निवेश पर पैसा दोगुना करने का झांसा देकर 8 लाख 50 हजार की ठगी के मामले में चौकी रेवटी पुलिस ने तीसरे आरोपी को बिहार से गिरफ्तार किया है। पुलिस दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है, जबकि एक आरोपी अभी भी फरार है। मामला 27 फरवरी 2023 का है। ग्राम गोवर्धनपुर निवासी सुनील पाण्डेय ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि तीन लोग स्विफ्ट डिजायर कार से उसकी दुकान आए और शेयर करेंसी में पैसा डबल करने का लालच दिया। पहले उससे 10 हजार रुपये लिए और अगले दिन 20



हजार वापस कर दिए। इससे पीड़ित का भरोसा जीत लिया। इसके बाद आरोपियों ने 10 लाख तक निवेश पर 2 से 4 दिन में रकम दोगुनी करने का लालच दिया। पीड़ित ने 8.50 लाख की व्यवस्था कर उन्हें दी। आरोपी 8.50 लाख लेकर उसे खाकी रंग का बंद पैकेट थमा गए, जिसमें 17 लाख होने और

कटना था केक, एक दिन पहले घर पहुंची अर्थी

सावन के आखिरी सोमवार को जल चढ़ाने दोस्तों के साथ निकला था राहुल, सड़क हादसे ने छीना मां का लाल

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर।

सावन के आखिरी सोमवार पर भोलेनाथ को जल चढ़ाने की एक मासूम सी ख्वाहिश अधूरी रह गई। 25 अगस्त को बालक का जन्मदिन था, केक कटना था, लेकिन दो दिन पहले ही घर का चिराग बुझ गया। जानकारी के मुताबिक उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम नुनेरा का 15 वर्षीय राहुल सिरदार पिता सुरेन्द्र सिरदार 23 अगस्त को दोपहर करीब 2 बजे अपने साथी सुनील, भोलेशंकर, वीरेन्द्र, जयपाल के साथ दो अलग-अलग मोटरसाइकलों में सवार होकर कैलाश गुफा जाने के लिए निकले थे। मन में भक्ति थी, सावन के अंतिम सोमवार को गुफा में विराजे शिवलिंग पर जल चढ़ाना था। एक मोटरसाइकल को राहुल चल रहा था, साथ में सुनील सवार था। बतौली-बगीचा रोड में केनापारा के पास शाम करीब 6 बजे सामने से आ रही



कार वाहन क्रमांक सीजी 15 डीव्ही 0588 के चालक ने इनकी बाइक को जोरदार ठक्कर मार दी। ठक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों सड़क पर गिर गए। राहगीरों की मदद से दोनों को डॉयल 112 की टीम ने बतौली

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया, यहां से गंभीर हालत में इन्हें प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने मेडिकल कॉलेज संबद्ध अस्पताल अंबिकापुर के लिए रेफर कर दिया। आपातकालीन चिकित्सा परिसर में जांच के बाद चिकित्सक ने राहुल को मृत घोषित कर दिया। साथी सुनील का उपचार चल रहा है।

25 अगस्त को था 16वां जन्मदिन मार्मिक बात यह है कि 25 अगस्त को राहुल का 16वां जन्मदिन था। कैलाश गुफा से बच्चे की वापसी के बाद स्वजन जन्मदिन मनाने की तैयारियां करते, लेकिन घटना से चीख-पुकार मच गई। किशोर की सावन के आखिरी सोमवार पर भगवान को जल चढ़ाने की तमन्ना भी पूरी नहीं हो पाई। घटना के पीछे एक कारण बतौली-बगीचा मार्ग के खस्ताहाल सड़क से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

नर्सिंग छात्रों ने कॉलेज के आईएनसी मान्यता की जांच के लिए कलेक्टर से लगाई गुहार

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर।

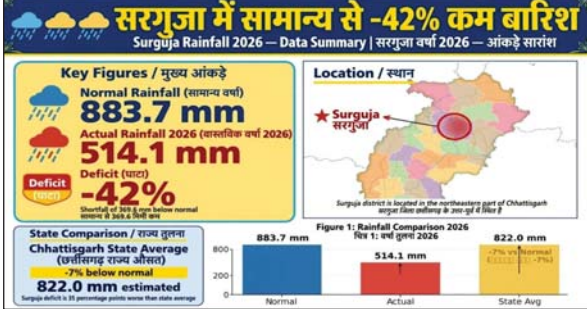
लक्ष्य कॉलेज ऑफ नर्सिंग, सीतापुर महाविद्यालय के बी.एससी. नर्सिंग और जीएनएम के छात्र-छात्राओं ने जिला कलेक्टर सरगुजा को ज्ञापन सौंपकर पाठ्यक्रम की भारतीय उपचर्या परिषद (आईएनसी) मान्यता, अनुमोदन की स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। छात्रों ने अपने आवेदन में कहा है कि लक्ष्य कॉलेज ऑफ नर्सिंग सीतापुर के बीएससी नर्सिंग एवं जीएनएम के छात्र-छात्राओं ने कहा है कि, उनके महाविद्यालय के पाठ्यक्रम की भारतीय उपचर्या परिषद मान्यता की स्थिति को लेकर हम सभी में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। इसे लेकर उन्हें अपने भविष्य की चिंता है। छात्रों ने मांग की है कि संबंधित विभाग द्वारा महाविद्यालय की मान्यता की वर्तमान स्थिति की जांच कराई जाए और छात्रों को उसकी सही एवं आधिकारिक जानकारी दी जाए। छात्रों की मांग है कि, आईएनसी मान्यता की वर्तमान स्थिति स्पष्ट करके आधिकारिक मान्यता/अनुमोदन की दस्तावेजी पुष्टि की जाए। मान्यता उनके बैच पर लागू है या नहीं, स्पष्ट किया जाए। छात्रवृत्ति की राशि का भुगतान समय पर करें। दस्तावेजों की प्रतिलिपि छात्रों को उपलब्ध कराई जाए और जांच कार्रवाई का जवाब उन्हें लिखित में दिया जाए। छात्रों ने कहा उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति या संस्था पर आरोप लगाना नहीं है, बल्कि सही जानकारी, पारदर्शिता और अपने शैक्षणिक भविष्य की सुरक्षा है।



छत्तीसगढ़ में सामान्य से 7 प्रतिशत कम बारिश, सरगुजा जिले में सबसे ज्यादा -42% की कमी

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर।

छत्तीसगढ़ में इस मानसून सीजन अब तक सामान्य से कम बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के जारी आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में अब तक 795 मिमी बारिश हुई है, जबकि सामान्य औसत 857.1 मिमी है, यानी पूरे प्रदेश में -7% की कमी है, लेकिन सबसे अधिक कमी सरगुजा जिले में सामान्य 883.7 मिमी की तुलना में अब तक सिर्फ 514.1 मिमी बारिश हुई है, जो -42% का बड़ा डेफिसिट है। यह प्रदेश के सभी जिलों में सबसे कम बारिश वाला जिला है।



कहां ज्यादा, कहां कम बारिश-मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार सबसे ज्यादा बारिश सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 1017 मिमी (+49% अधिक), बलरामपुर में 1027.6 मिमी (+43%), मुंगेली में 949.5 मिमी (+34%) और नारायणपुर में 1087.8 मिमी (+18%) दर्ज की गई है। वहीं सबसे कम बारिश वाले जिले में सरगुजा -42%, बेमेतरा -41%, जशपुर -35%, बस्तर -21%, कोंडागांव -20% शामिल हैं। सरगुजा के साथ-साथ कोरिया में -18%, रायगढ़ में -8% और बलौदाबाजार, बालोद, जांजगीर जैसे जिलों में सामान्य से अधिक बारिश हुई है। यह स्थिति सरगुजा और कम बारिश वाले क्षेत्रों के किसानों के लिए चिंतित करने वाला है।

टीईटी उत्तीर्ण शिक्षकों में पदोन्नति को लेकर हल्ला बोला

धरना देकर संयुक्त संचालक कार्यालय को दिया अंतिम अल्टीमेटम

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। टीईटी उत्तीर्ण सहायक शिक्षकों की पदोन्नति में हो रही देरी को लेकर टीईटी उत्तीर्ण शिक्षक कल्याण संघ छत्तीसगढ़ के बैनर तले शिक्षकों ने संयुक्त संचालक कार्यालय में धरना देकर हल्ला बोला और सरगुजा संभाग के संयुक्त संचालक को अंतिम चेतावनी पत्र सौंपा है। संघ ने कहा है कि अगर आज ही वरिष्ठता सूची जारी कर पदोन्नति प्रक्रिया पूरी नहीं की गई तो संभाग स्तर पर उग्र आंदोलन और घेराव किया जाएगा।

संघ के प्रदेश अध्यक्ष राकेश मिश्रा द्वारा 24 अगस्त को सौंपे गए ज्ञापन में उल्लेख है कि संचालक लोक शिक्षण संचालनालय के 10 अगस्त के वीसी में दिए निर्देश अनुसार पदोन्नति की संपूर्ण प्रक्रिया 15 अगस्त 2026 तक पूर्ण की जानी थी। संगठन द्वारा 14 जुलाई, 11 अगस्त और 20 अगस्त को ज्ञापन देने के बावजूद संयुक्त संचालक कार्यालय सरगुजा द्वारा आज तक टीईटी उत्तीर्णता अर्हता को दर्शाते हुए अंतिम वरिष्ठता सूची का प्रकाशन नहीं किया गया है। विभाग की इस लापरवाही से पात्र शिक्षकों में भारी आक्रोश है। संघ की 4 प्रमुख मांगों में अंतिम वरिष्ठता सूची का प्रकाशन करना, पदोन्नति प्रस्ताव तैयार करना, पदोन्नति प्रक्रिया की समय-सारणी तैयार करना है, जिसमें डीपीसी की तिथि, पदोन्नति आदेश जारी करने की तिथि एवं कार्डसिलिंग की तिथि का उल्लेख हो। इसके अलावा 06 अगस्त को जारी स्थानांतरण आदेशों के फलस्वरूप रिक्त हुए सभी पदों को पदोन्नति गणना में शामिल करके शालावार जानकारी



सार्वजनिक करना शामिल है। संघ ने चेतावनी दी है कि, यदि आज ही वरिष्ठता सूची जारी कर निर्धारित तिथि तक पदोन्नति आदेश जारी नहीं किए गए तो किसी भी अप्रिय स्थिति एवं शैक्षणिक कार्य में होने वाले व्यवधान की संपूर्ण जिम्मेदारी संयुक्त संचालक कार्यालय की होगी।

शिक्षक संघर्ष मोर्चा की जिला स्तरीय रैली आज शिक्षक हितों से जुड़ी पांच प्रमुख मांगों को लेकर शिक्षक संघर्ष मोर्चा, सरगुजा द्वारा 25 अगस्त को जिला स्तरीय शिक्षक रैली का आयोजन किया जा रहा है। मोर्चा के जिला संचालक कमलेश सिंह ने बताया कि लंबे समय से लंबित मांगों को लेकर शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के लिए यह रैली आयोजित की जा रही है। मोर्चा की 5 प्रमुख मांगों में डेट की अनिवार्यता समाप्त करना, पुरानी सेवा की गणना कर पेंशन का अधिकार देना, वेतन विसंगति दूर करना, न्युट्रिपूर्ण पदोन्नति नियम निरस्त करना और बीएड हेतु विभागीय ब्रिज कोर्स कराना शामिल है। यह रैली 25 अगस्त को दोपहर 12.30 बजे कलाकेंद्र मैदान, अंबिकापुर से निकाली जाएगी, जिसमें जिले भर के हजारों शिक्षक शामिल होंगे।

श्री सर्वेश्वरी समूह ने स्कूली बच्चों को बांटी कॉपी-पेंसिल, 200 फलदार पौधों का किया वितरण

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर।

श्री सर्वेश्वरी समूह शाखा अंबिकापुर द्वारा विकासखंड लखनपुर के ग्राम जयपुर (ख) में सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। पून्य अश्वोरेश्वर महाप्रभु के तैल चित्र के पूजन-आरती के पश्चात शासकीय प्राथमिक शाला जयपुर (ख) में उपस्थित 65 बच्चों को लेखन सामग्री, कॉपी, पेन, पेंसिल और कंपास बाँक्स का वितरण किया गया। वहीं शासकीय हाई स्कूल जयपुर में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, सरपंच और ग्रामीणों को 200 फलदार पौधे आम, अमरूद, गुलाब जामुन और



नाशपाती के वितरित किए गए। इस अवसर पर रणविजय सिंह तोमर ने जीवन में पेड़-पौधों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी को पौधों को घर-बाड़ी में लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में समूह शाखा के उपाध्यक्ष संतोष

सिंह, विमल जामनानी, सत्येन्द्र सिंह, रणविजय सिंह तोमर, समर विजय सिंह तोमर, प्रमोद श्रीवास्तव, हीरालाल ताम्रकार, राकेश सिंह, सुजीत सिंह, राहुल जामवाल, सरपंच जयपाल राम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

शासकीय पॉलीटेक्निक में आपदा प्रबंधन जागरूकता कार्यक्रम, एनडीआरएफ ने दिए बचाव के टिप्स

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शासकीय पॉलीटेक्निक अंबिकापुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आपदा प्रबंधन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एनडीआरएफ के कमांडर अरुण कुमार लांबा के नेतृत्व में टीम ने विद्यार्थियों और स्वयंसेवकों को प्राकृतिक और मानवजनित आपदाओं से बचाव की व्यावहारिक जानकारी दी। टीम ने बताया कि आपदा के समय घबराने के बजाय धैर्य बनाए रखना और उपलब्ध संसाधनों का सही उपयोग करना सबसे जरूरी है। प्रशिक्षण के दौरान भूकंप, बाढ़, आगजनी, सर्पदंश, आकाशीय बिजली और पानी में डूबने जैसी स्थितियों से बचाव के उपाय बताए गए। आग लगने पर फायर एक्सटिंग्विशर के उपयोग का लाइव डेमो किया गया। साथ ही गले में भोजन या वस्तु फंसने पर प्राथमिक उपचार, बाढ़ में सुरक्षित स्थान पर जाने और सर्पदंश में प्राथमिक सहायता के तरीके भी सिखाए गए। एनडीआरएफ टीम ने बचाव कार्यों में उपयोग होने वाले उपकरणों की जानकारी



दी और बताया कि आपदा प्रबंधन में आपदा से पहले की तैयारी, आपदा के दौरान सुरक्षित व्यवहार और बाद में राहत-बचाव कार्य तीनों का ज्ञान जरूरी है। प्राचार्य आर.जे. पांडे ने कहा कि वर्तमान समय में हर व्यक्ति का आपदा के प्रति जागरूक और प्रशिक्षित होना जरूरी है। ऐसे कार्यक्रम छात्रों में संकट के समय खुद को सुरक्षित रखने और दूसरों की मदद करने का आत्मविश्वास बढ़ाते हैं। कार्यक्रम का संचालन एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी अमित कुमार बघेल ने किया। इस अवसर पर संजीव सिंह, संतोष कुमार, नीरज वर्मा सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी और विद्यार्थी मौजूद रहे।